



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई विल्ली, शनिवार, विसम्बर 27, 1975 (पौष 6, 1897)
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 27, 1975 (PAUSA 6, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 26 नवम्बर 1975 तक प्रकाशित किए गए हैं:—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 26th November 1975:—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
227. सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन० 80/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975 No. Drawback/PN-80/75 dated the 22nd Nov. 1975	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में संशोधन। Amendments of Public Notice No. Drawback/PN-1 of 15th October, 1971.	
सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन०-81/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975 No. Drawback/PN-81/75, dated. the 22nd Nov. 1975.	तदैव		तदैव
सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन०/82/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975 No. Drawback/PN-82/75, dated the 22nd Nov. 1975	Do.		Do.
सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन०-83/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975 No. Drawback/PN-83/75, dated the 22nd Nov. 1975.	तदैव		तदैव
सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन०-84/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975 No. Drawback/PN-84/75, dated the 22nd Nov. 1975	Do.		Do.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली के नाम मांग-पत्र मेज़ने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र नियंत्रक के पास इन राजपत्रों के आरी होने की तिथि से बहुत बहुत ज्ञाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-85/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में संशोधन।
	No Drawback/PN-85/75, dated the 22nd Nov. 1975	Ministry of Finance	Amendments of Public Notice No. Drawback/PN-1 of 15th October 1971
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-86/75, दिनांक 22 नवम्बर 1975	तदैव	तदैव
	No. Drawback/PN-86/75, dated the 22nd Nov. 1975	Do.	Do.
228.	सं० एफ० 4 (2)-उल्लू० एफ० एम०/75, दिनांक 24 नवम्बर 1975	तदैव	6½% ऋण, 1996 के लिए दिन निश्चित करना।
	No. F4(2)W&M/75, dated the 24th Nov. 1975	Do.	Fixation of dates of subscriptions for the issue of six quarter 6½% loan, 1996.
229.	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-87/75, दिनांक 26 नवम्बर 1975	तदैव	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1 दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में संशोधन।
	No. Drawback/PN-87/75, dated the 26th Nov. 1975	Do.	Amendments of Public Notice No. Drawback/PN-1 of 15th October 1971.
230.	सं० 120-आई० टी० सी० (पी० एन०)/ 75, दिनांक 26 नवम्बर 1975	वाणिज्य मंत्रालय	य० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान, 1975, दिनांक 27-6-75 के लिए लाइसेंस शर्तें।
	No. 120-ITC(PN)/75, dated the 26th Nov. 1975	Ministry of Commerce	Licensing conditions for the U. K./India Sectoral Grants, 1975, dated 27-6-75.
231.	सं० 121-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 26 नवम्बर 1975	तदैव	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 अवधि के लिए पंजी- कृत नियर्तिकों के लिए आयात नीति (संशोधन)।
	No. 121-ITC(PN)/75, dated the 26th Nov. 1975	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1975 to March, 1976 (Amendment).
232.	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-88/75, दिनांक 27 नवम्बर 1975	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
	No. Drawback/PN-88/75, dated the 27th Nov. 1975	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October 1971.
233.	सं० 122-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, 27 नवम्बर 1975	वाणिज्य मंत्रालय	नवम्बर, 1975 से अक्टूबर, 1976 के दौरान (1)फलों, मेवे, नमकीन अथवा हर प्रकार के परिरक्षित खजूरों को छोड़कर अन्यथा जो उल्लिखित नहीं हैं [क्रम सं० 21 (ए) (2)/4] (2) खजूर [क्रम सं० 21 (बी)/4], (3) औषधीय बूटियां (अपरिष्कृत औषधिया) [क्रम सं० 87-109/4], (4) हींग [क्रम सं० 31 (बी)/ 5] तथा अन्य विविध मर्दों का ईरान से आयात।
	No. 122-ITC (PN)/75, dated the 27th Nov. 1975	Ministry of Commerce	Imports of (1) Fruits, dried salted or preserved all sorts, n.e.s, excluding dates [S. No. 21(a)(ii)/IV], (ii) Dates [S. No. 21(b)/IV], (iii) Medicinal Herbs (Crude Drugs) [S. No. 87-109/IV], (iv) Asafoetida [S. No. 31(b)/V] and other Miscellaneous items from Iran during November, 1975 to October, 1976.
234.	सं० 123-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, 27 नवम्बर 1975	तदैव	गैर-निषेध बोरे के अन्यस्तों का आयात।
	No. 123-ITC (PN)/75, dated the 27th Nov. 1975	Do.	Import of fire arms of non-prohibited bore.

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
235.	सं० 124-ग्राई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 28 नवम्बर 1975 No. 124-ITC(PN)/75, dated the 28th Nov. 1975	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 अवधि के लिए पंजी- कृत निर्यातकों के लिए आयात नीति (संशोधन) । Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1975—March, 1976 (Amendment).
236.	सं० 125-ग्राई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 29 नवम्बर 1975 No. 125-ITC(PN)/75, dated the 29th Nov. 1975	तदेव	भारत-अफगान व्यवस्था के अन्तर्गत 1-8-1975 से 31-7-1976 तक अफगानिस्तान से खजूरों [ऋग सं० 21 (ए) (2)/4] को छोड़कर (1) सूखे, नमकीन या परिरक्षित फलों— जो अन्यथा विशेषीकृत नहीं है, (2) हीग [ऋग सं० 31 (बी)/5], (3) जीरा बीजों [ऋग सं० 37/5] और (4) आपाधीय जड़ी बूटियों [ऋग सं० 87-109/4] का आयात और भारत से माल का प्रति-निर्यात । Import of (1) Fruits, dried salted or preserved n.o.s excluding Dates [S. No. 21(a)(ii)/IV], (ii) Asafoetida (Hing), [S. No. 31(b)/V], (iii) Cumin Seeds [S. No. 37/IV] and (iv) Medicinal Herbs [S. No. 87-109/IV] from Afghanistan and counter—export of goods from India, under Indo-Afghan Trade Arrangement, from 1st August, 1975 to 31st July, 1976.
237.	सं० 126-ग्राई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 29 नवम्बर 1975 No. 126-ITC(PN)/75, dated the 29th Nov. 1975	तदेव	16 चैनल ब्रेन वेव रिकार्डिंग मशीन के लिए मिनोग्राफ लिखने वाले फ्लूज का आयात । Import of Minograph writing fluid for 16-Channel Brain Wave recording machine.
238.	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-89/75, दिनांक 1 दिसम्बर 1975 No. Drawback/PN-89/75, dated the 1st Dec. Ministry of Finance 1975	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन । Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1 dated the 15th October 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-90/75, दिनांक दिनांक 1 दिसम्बर 1975 No. Drawback/PN-90/75, dated the 1st Dec. 1975	तदेव	तदेव
	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-91/75, दिनांक दिनांक 1 दिसम्बर 1975 No. Drawback/PN-91/75, dated the 1st Dec. 1975	तदेव	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 1 दिसम्बर 1975 में प्रकाशित सारणी में संशोधन । Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th Oct. 1975.
239.	सं० 127-ग्राई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 1 दिसम्बर 1975 No. 127-ITC(PN)/75, dated the 1st Dec. 1975	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 अवधि के लिए पंजी- कृत निर्यातकों के लिए आयात नीति (संशोधन) । Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1975—March, 1976 (Amendment).

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	879	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	3539
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1997	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	4353
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	11003
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	891
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबर समिक्षियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	29
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	1687	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2505
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	—	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	223

CONTENTS

PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	3539
879		
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	4353
1997		
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	583
1687		
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	11003
—		
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	891
—		
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners. . . .	29
—		
PART II—SECTION 3.—SUB. S.L.C. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2505
	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	223

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई अधितर नियमों, विनियमों तथा आवेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 116-प्रेज/75—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उस की वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दरबान सिंह

(स्वर्गीय)

कास्टेबल सं० 869,

राज्य सशस्त्र पुलिस,

१ बटालियन,

बद्रवान जिला,

पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

13 जून, 1974 को जिला बद्रवान के गाव कमालपुर में कुछ कुख्यात उग्रवादियों की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त होने पर उस पर कारबाई करने के लिये एक आक्रमणकारी दल भेजा गया। बहुत स्वेच्छा गाव को घेर लिया गया। कास्टेबल दरबान सिंह जो इस दल के सदस्य थे, को गाव के तालाब के पास एक आक्रमणकारी मोके पर डटे रहने को कहा गया। ग्रन्थेरे का लाभ उठाकर आतंताहयों ने बचकर भाग निकलने वाले प्रयास किया। वे गाव के तालाब के पूर्वी किनारे पर अचानक दिखाई पड़े जहां कास्टेबल दरबान सिंह पहरे पर थे। अन्धकार के बावजूद कास्टेबल दरबान सिंह ने सर्वक्रिया बनाए रखी और समय पर ज्ञाड़ी के पीछे कुछ व्यक्तियों को देख लिया। उन्होंने उपद्रवियों को ललकारा और अपने साथियों को सावधान कर दिया जिन्होंने तुरन्त मोर्चा सम्भाल लिया। भीषण गोलाबारी हुई, जिसमें तीन उग्रवादी गोली से मार डाले गए। और भारी मात्रा में हथियार तथा गोलाबारूद बरामद हुए किन्तु कास्टेबल दरबान सिंह को बदमाशों द्वारा चलाई गई गोलियों लगी और वे घावों के परिणामस्वरूप वीरगति को प्राप्त हुए।

इस मुठभेड़ में श्री दरबान सिंह ने उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया और अपने कर्तव्य के पालन में अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 जून, 1974 से दिया जाएगा।

सं० 117-प्रेज/75—राष्ट्रपति मध्यप्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रघुनन्दन शर्मा,

पुलिस निरीक्षक,

आम्बाह, जिला मुरैना,

मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

निरीक्षक श्री रघुनन्दन शर्मा ने, जिहे डकैती विरोधी कार्य के संबंध में मुरैना जिला मध्य प्रदेश के आम्बाह क्षेत्र में तैनात किया गया था, 8 दिसम्बर, 1973 को गांव 'रापत का पुरा' में डाकुओं के छिपने के स्थान पर छापा मारने का आयोजन किया। पुलिस दल ने गाँव को घेर लिया और श्री रघुनन्दन शर्मा, पुलिस उप-निरीक्षक श्री रमाकान्त तिवारी के साथ उस मकान की ओर रेग कर गए जिसमें डाकुओं के छिपने का संदेह था। उन्हें आत्महमर्पण करने के लिए लालकारने पर डाकुओं ने गोली चलाई जिस पर पुलिस ने भी जबाबी कारबाई की। मुठभेड़ के फलस्वरूप श्री रघुनन्दन शर्मा को गर्दन में गोली लगी। यद्यपि वे गम्भीर रूप से घायल हो गए थे फिर भी वे अपने स्थान पर दृढ़ता से डटे रहे और डाकुओं पर तब तक गोली चलाते रहे जब तक कि श्री रमाकान्त तिवारी यह देखकर कि उनके साथी को सहायता की आवश्यकता है, रेग कर उनकी ओर गए तथा उन्हें प्राथमिक चिकित्सा दी।

इस मुठभेड़ में श्री रघुनन्दन शर्मा ने अनुकरणीय साहस, कुशल नेतृत्व तथा उच्च कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 8 दिसम्बर, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 118-प्रेज/75—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों का उन की वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री वासुदेव शर्मा,

पुलिस निरीक्षक,

जोरा, जिला मुरैना (मध्य प्रदेश)

श्री रमाकान्त तिवारी,
पुलिस उप-निरीक्षक,
मुरैना जिला (मध्य प्रदेश)

श्री बाके सिंह,
हैंड कांस्टेबल सं० 408,
ए कम्पनी, 5वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
मुरैना (मध्य प्रदेश)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

8 दिसम्बर, 1973 को गांव रापत-का-पुरा, थाना जोरा में डाकुओं के एक गिरोह की मौजूदगी के बारे में प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करने के लिए एक पुलिस दल उस गांव में भेजा गया। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस दल ने गांव का घेरा डाल दिया। पुलिस की एक टुकड़ी के साथ उप-निरीक्षक रमाकान्त तिवारी उस मकान की ओर आगे बढ़े जिसमें गिरोह ने शरण ली हुई थी और गिरोह को आत्म-समर्पण करने के लिए ललकारा लेकिन उन्होंने पुलिस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने भी जवाब में गोली चलाई जिस में सर्कल निरीक्षक श्री रघुनन्दन शर्मा घायल हुए। गोलाबारी की परवाह न करते हुए श्री रमाकान्त तिवारी घायल सर्कल निरीक्षक की ओर रंग कर गये और उनका प्राथमिक उपचार किया। फिर वे डाकुओं के गिरोह पर गोलाबारी कर रहे पुलिस दल में आ मिले। मुठभेड़ में दो डाकू बलवन्त काढ़ी और रमजान खां गोली से मारे गये और दो हथियार बरामद हुए।

अन्य डाकुओं ने एक नाले से होकर बच निकलने का प्रयास किया। वहां श्री वासुदेव शर्मा धात में बैठ हुए थे। स्वयं को निराशा-जनक स्थिति में पाकर डाकुओं ने गोली चला दी तथा उसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। श्री शर्मा ने रंग कर स्वयं अग्रिम मोर्चे की ओर बढ़ कर डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए चुनीती देकर अपने जवानों का मनोबल बढ़ाया और उनके समक्ष एक उदाहरण पेश किया। उस मोर्चे से वे एक डाकू को गोली से मारने में सफल हुए।

हैंड कांस्टेबल बाके सिंह भी उस पुलिस दल के सदस्य थे जिसे दो अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ डाकुओं के बचकर निकलने के रास्ते को रोकने के लिए गांव के पास एक ऊँची पहाड़ी पर तैनात किया गया था। तीन डाकुओं ने जो एक नाले में छिपे हुए थे, लगातार गोलाबारी आरम्भ कर दी। यह देखकर हैंड कांस्टेबल बाके सिंह ने अपने साथी समेत अपना स्थान बदल दिया। फिर भी डाकुओं के गिरोह ने उन्हे देखते ही उनपर गोली चला दी। इस बात के बावजूद, कि व खतरे में हैं पुलिस दल रंग कर आगे बढ़ता गया। एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचने पर उन्होंने डाकुओं को आत्म-समर्पण करने के लिए ललकारा। किन्तु इससे डाकुओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हैंड कांस्टेबल बाके सिंह अपने पहले मोर्चे पर लौटे और वहां से डाकुओं के नेता श्री लाल काढ़ी और उनके साथी रामजी चमार को गोली से मार डालने में सफल हुए।

इस मुठभेड़ में सर्वथी वासुदेव शर्मा, रमाकान्त तिवारी और बाके सिंह ने उत्कृष्ट वीरता और कर्तव्य-प्रयाणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 8 दिसम्बर, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 119-प्रेज/75—राष्ट्रपति परिचम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उस की वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सिंद्धेश्वर सिंह, (स्वर्गीय)
कांस्टेबल सं० 123,
जिला जलपाईगुड़ी,

पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

21 मार्च, 1975 को कुमारपुर थाने के कार्यभारी अधिकारी गाव पश्चिम पकरीगुड़ी में डाका डालने के आशय से छिपे डाकुओं के साथ गिरोह को पकड़ने के लिये उस गांव में गए। कांस्टेबल श्री सिंद्धेश्वर सिंह पुलिस टुकड़ी के सदस्य थे। सदस्यों को विभिन्न स्थलों पर तैनात करने के बाद कार्यभारी अधिकारी स्वयं शेष पुलिस टुकड़ी को उस झोपड़ी की ओर ले गए जहां डाकुओं के छिपे रहने का संदेह था और उसका दरवाजा तोड़ दिया। किन्तु डाकुओं ने पुलिस टुकड़ी को देख लिया और उन पर गोली चला दी। गोली चलने की आवाज सुन कर कांस्टेबल सिंह, जो झोपड़ी के बाहर रक्खा कर रहे थे, अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अपने अधिकारी की सहायता के लिये झोपड़ी की ओर तुरन्त आगे बढ़े। ऐसा करते समय उन्हें गोली लग गई और उसी समय वीरगति को प्राप्त हुए। पुलिस टुकड़ी के कार्यभारी अधिकारी ने इस वीच अपना हमला और जोरदार कर दिया जिसके परिणामस्वरूप एक डाकू मारा गया, एक अन्य गिरफ्तार कर लिया गया और गिरोह के बाकी सदस्य अधिरे में भाग गए।

इस मुठभेड़ में कांस्टेबल सिंद्धेश्वर सिंह ने अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 मार्च, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 120-प्रेज/75—राष्ट्रपति नागालैण्ड पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उस की वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री न्यामो लोथा,
ए० बी० एस० आई० सं० 50014,
नागालैण्ड पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

23 अक्टूबर, 1973 को ए० बी० एस० आई० न्यामो लोथा के चार्ज में एक यूनिट पर जो फोगोमी चौकी पर तैनात थी, बहुत

श्रधिक संख्या में मास्त्व विरोधियों ने विदेशी स्वचालित गड़फलों, रोकेट, लाचरों तथा अन्य परिष्कृत हथियारों से आक्रमण किया। आक्रमण लगभग 40 मिनट तक चला। यद्यपि वै मंजूरा में श्रधिक थे फिर भी चौकी यूनिट ने साहम्पूर्वक मुकाबला किया और वे आक्रमण को विफल करने में सफल हुए, जिसके परिणामस्वरूप 6 भूमिगत धायल हुए और 2 मारे गए। श्री न्यामो लोथा, पोस्ट कमांडर, अपने जीवन की सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए अपने जवानों का मार्ग दर्शन करने तथा उनका मनोबल ऊचा करने के लिए लगातार एक बकर से दुसरे बकर में घूमते रहे।

इस मुठभेड़ में श्री न्यामो लोथा, ए० बी० एस० आई०, ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय-नेतृत्व तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भता भी दिनाक 23 अक्टूबर, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 121-प्रेज/75—राष्ट्रपति नागार्नेण्ड पुलिस के निम्नांकित श्रधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

श्रधिकारी का नाम तथा पद।

श्री पुतोई सीमा,

ए० बी० एस० आई० सं० 50023,

नागार्नेण्ड पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1. दिसम्बर, 1973 को हेबोलिमी गांव में कुछ भूमिगत विरोधियों की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त करने के पश्चात् ए० बी० एस० आई० पुतोई सीमा ने एक गश्ती दल को साथ लिया और भूमिगत विरोधियों को, जो एक पुरानी झोपड़ी में छिपे थे, घेर लिया। पुलिस दल को देखकर, भूमिगत विरोधियों ने बच निकलने का प्रयत्न किया। उनका जबरदस्त पीछा किया गया और उनके साथ हुई मुठभेड़ में भूमिगत विरोधियों का नेता मारा गया तथा उससे कुछ कागजात बरामद हुए।

इस मुठभेड़ में श्री पुतोई सीमा ने उत्कृष्ट वीरता तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भता भी दिनाक 1 दिसम्बर, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 122-प्रेज/75—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित श्रधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

श्रधिकारियों के नाम तथा पद।

श्री एम० एल० जैरथ,

डिस्ट्री कमांडेन्ट,

80वी० बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल।

श्री विष्णु प्रसाद, जैशी,

नायक,

80वी० बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

6 मार्च, 1975 को श्री विष्णु प्रसाद जैशी को आईजल में 13 जनवरी, 1975 को पुलिस के तीन उच्च श्रधिकारियों की निर्मम हत्या करने के लिये जिम्मेदार विरोधियों के गिरोह का पता लगाने के लिए लुग्रांगमुग्राल गाव भेजा गया था। विरोधियों के गाव में छिपे होने का संदेह था। इस प्रकार के कार्य में खतरे की परवाह न करते हुए श्री जैशी गाव में गए और उस मकान का पता लगाया जहां एक विरोधी के छिपे रहने का संदेह था। जब वे लौट रहे थे तो दो दो विरोधियों ने, जिन्होंने उन्हें खुफिया विभाग का एक एजेंट समझा था और उनकी हत्या करना चाहते थे, उन्हे रोक लिया। किन्तु श्री जैशी ने विरोधियों का साहस के साथ मुकाबला किया और विचलित नहीं हुए तथा चालाकी में अपने आप को छुड़ा लिया।

इस उद्देश्य से कि कही कुछ देर न हो जाये डिस्ट्री कमांडेन्ट श्री एम० एल० जैरथ नया सहायक कमांडेन्ट श्री संत लाल ने श्री जैशी के लौटने की प्रतीक्षा किए बिना गांव लुग्रांगमुग्राल जाने का निश्चय किया। गांव के पास उन्हें एक विरोधी मिला। ललकारे जाने पर संदिग्ध व्यक्ति पास के टीले की ओर दौड़ा। श्री संत लाल टीले की ओटी की ओर बढ़े जबकि श्री जैरथ खतरे की परवाह किये बिना, विरोधी के पीछे पगड़ण्डी की ओर से दौड़ पड़े ताकि यदि विरोधी उधर आये तो वे उसे पकड़ सके। अन्त में सहायक कमांडेन्ट संत लाल ने विरोधी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

इस मुठभेड़ में श्री एम० एल० जैरथ और श्री विष्णु प्रसाद जैशी ने उत्कृष्ट वीरता और उच्च कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भता भी दिनाक 6 मार्च, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 123 प्रेज़/75—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उस की वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहै प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री संत लाल,
सहायक कमांडेंट,
84 बटालियन,
सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

6 मार्च, 1975 को नायक विष्णु प्रसाद जैशी को दिनांक 13 जनवरी, 1975 को आईजल में तीन उच्च पुलिस अधिकारियों की निर्मम हत्या करने के लिए जिम्मेदार विरोधियों के गिरोह का पता लगाने के लिए लुश्रांगमुआल गांव भेजा गया था। विरोधियों के गांव में छिपे होने का सबैह था। ऐसे कार्य में खतरे की परवाह न करके श्री जैशी गांव में गए और जहां विरोधियों के छिपने का सदैह था उस मकान का पता लगाया। उनकी वापसी पर उन्हें दो विरोधियों ने रोक लिया परन्तु श्री जैशी ने विरोधियों का साहसपूर्वक मुकाबला किया, विश्वित नहीं हुए और चालाकी से अपने आप को छुड़ा लिया।

बिना समय खराब किए और श्री जैशी की वापसी की प्रतीक्षा किए बिना डिटी कमांडेंट श्री एम० एल० जैरथ और सहायक कमांडेंट श्री संतलाल लुश्रांगमुआल गांव की ओर गये। गांव के पास उन्हें एक विरोधी मिला। ललकारे जाने पर संदिग्ध व्यक्ति पास के टीले की तरफ भागने लगा। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए सहायक कमांडेंट श्री संतलाल टीले पर चढ़ने लगे जबकि श्री जैरथ पगड़ी के साथ विरोधी के पीछे दौड़े। सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ी और विरोधी के बीच गोली चली। मुठभेड़ में श्री संतलाल घायल हो गए परन्तु अपनी ओटों की परवाह न करते हुए उन्होंने विरोधी को पकड़ लिया। श्री संतलाल और विरोधी दोनों पहाड़ी से लुड़क पड़े। इस हाथापाई के दौरान विरोधी श्री संतलाल के ऊपर आ गया और उनकी गर्दन में गोली मारने का प्रयत्न करने लगा परन्तु श्री संतलाल ने धैर्य से काम लिया और अविचलित रहते हुए अन्त में विरोधी को गोली से मार डाला।

इस मुठभेड़ में श्री संतलाल ने उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व और उच्च कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 मार्च, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 124-प्रेज़/75—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उस की वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहै प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री काली प्रसाद चक्रवर्ती,
कांस्टेबल संघ्या के/458,
जिला सशस्त्र पुलिस,
हुगली,
पश्चिम बंगाल।
(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

13 जून, 1974 को कुछ कट्टर उग्रवादियों, जिन्होंने अनेक हत्याएं, आगजनी और बन्दुकें छीनने के अपराध किए थे, के छिपने के स्थानों के बारे में सूचना मिलने पर उस पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस की दो टुकड़ियों को गांव कमालपुर भेजा गया। पुलिस दल ने उपर्युक्त समय पर क्षेत्र को छेर लिया। कांस्टेबल काली प्रसाद चक्रवर्ती की गांव के बाहर तालाब के पास एक आक्रमणीय स्थान पर उटे रहने का निदेश दिया गया। कुछ समय बाद राष्ट्रकलों तथा बन्दुकों से लैस कुछ उग्रवादी तालाब के पूर्वी किनारे पर एक क्षाढ़ी के पीछे अचानक दिखाई पड़े। कांस्टेबल ने अपने अन्य साथियों को बुलाने में समय नष्ट किए बिना अपनी राफल के साथ मोर्चा सम्भाला और जिस क्षाढ़ी के पीछे उग्रवादी छिपे हुए थे, उस ओर बढ़ना शुरू कर दिया। कांस्टेबल की उपस्थिति का आभास होते ही उग्रवादियों ने गोली चलानी शुरू कर दी। हालांकि वह संघ्या में अधिक थे, फिर भी कांस्टेबल अविचलित रहे और अकेले ही जवाब में गोली चला दी। परन्तु उन्हें एक गोली लग गई और घटना स्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। गोलीबारी से पुलिस टुकड़ी के अन्य सदस्य साथधान हो गए और उन्होंने भी गोली चलाई। परिणामस्वरूप तीन उग्रवादी मारे गए और भारी संघ्या में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुआ।

इस मुठभेड़ में श्री काली प्रसाद चक्रवर्ती ने प्रशंसनीय साहस और अटूट कर्तव्य परायणता का परिचय दिया और पुलिस की सर्वोच्च परम्पराओं के अनुरूप अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 जून, 1974 से दिया जाएगा।

कृ० बालचन्द्र
राष्ट्रपति के सचिव

मंत्रिमण्डल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई विल्ली-110001, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

विषय

सं० 17011/3/75-अ० भा० से० (III) :—भारतीय वन सेवा में रिक्तियों को भरने के लिए 1976 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम, आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

2. इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये रिक्तियों के प्रारक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है :—संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां) (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित। संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, संविधान (गोआ, दमन और दीव), अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम 11 में निर्धारित ढंग से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया देशों से आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी वैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिए जाने की शर्त के अधीन, अन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जुलाई 1976 को 20 वर्ष को पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष को न हुई हो, प्रथम् उसका जन्म 2 जुलाई, 1950 से पहले और 1 जुलाई, 1956 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित अधिकतम आयु में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का मूल विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्व-पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकार के अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्व-पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से मूलरूप से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकार के अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

- (6) यदि उम्मीदवार 20 दिसंबर, 1961 से पहले गोवा, दमन और दीव के भूतपूर्व युतंगाली राज्य के क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (7) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य ऐजानिया से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (8) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,
- (10) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक की किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अर्गांति ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अनुदेश के साथ संघर्ष में अर्थात् अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जाति के हैं।
- (12) सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कामिको में अधिकतम आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के हों।
- (13) सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कामिको वे मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में, विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के हों।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार के पास कम से कम परिशिष्ट-I में उल्लिखित विश्वविद्यालयों में से किसी से प्राप्त वनस्पति-विज्ञान, रसायन भूविज्ञान, गणित भौतिक और प्राणि-विज्ञान में से एक विषय के

साथ स्नातक उपाधि अवश्य होनी चाहिए अथवा कृषि भै स्नातक उपाधि अथवा इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिए या परिशिष्ट-I के में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए।

नोट I.—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है, जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट II.—विषेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश किए जाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बरते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट III.—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट-I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिशिष्ट-I में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. नैगितिक या दिहाड़ी बाले कर्मचारियों को छोड़कर जो अवक्ति पहले से ही सरकारी सेवा में हों, चाहे वे स्थायी अथवा अस्थायी हैंसियल्सुसे हैं अथवा कार्य प्रभारी हैं, उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने संबंधित विभाग अथवा कार्यालय दें। अध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जो आवेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को पूरा करके आयोग को अप्रेषित करेगा। ऐसे उम्मीदवारों को, आने ही हित में अपने आवेदन पत्रों को अप्रिम प्रतियां आयोग को सीधे प्रस्तुत करनी चाहिए। इन पर निर्धारित फीस साथ होने पर अन्तिम रूप से विचार किया जाएगा। परन्तु मूल आवेदन पत्र अन्तिम तारीख के बाद सामान्यतः पंद्रह दिन के भीतर आयोग को पहुंच जाना चाहिए। यदि ऐसा कोई अवक्ति, जो पहले से ही सरकारी नौकरी में है अपने आवेदन पत्र की अप्रिम प्रति निर्धारित फीस सहित प्रस्तुत नहीं करता है अथवा उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अप्रिम प्रति आयोग वे कार्यालय में अन्तिम तारीख को अथवा इसके पहले प्राप्त नहीं होती है तो उसके विभाग अथवा कार्यालय के प्रधान के माध्यम से प्रस्तुत किये गये आवेदन पत्र पर, यदि वह आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुआ हो, विचार नहीं किया जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर लिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी इन्युचित से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य विए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी इन्युचित अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर अपराधिक अधियोग (क्रिमिनल प्रासी-क्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए,

 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
 - (ii) केंद्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नीकरी से वारित किया जा सकता है, और

- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुसासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार सिविल परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त कर सके जिनमें आयोग अपने नियंत्रण से नियुक्त करे, तो उसे आयोग व्यक्तिकृत परीक्षा के इंटरव्यू के लिए बुलायेगा।

13. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित, भाग के परिणाम स्वरूप व्यक्तित्व जांच के लिए सफलता प्राप्त करता है तो उसको अलग से कहा जायेगा कि वह अपनी तरजीह का क्रम मंत्रिमण्डल सचिवालय कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग को सूचित करे

जिसके अनुसार विभिन्न राज्य संघर्षों में ग्राम्यांतर के लिये उसके नाम पर विचार किया जाए।

14. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिए सिफारिश की जायेगी। यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

परन्तु यदि सामान्य सरकार के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों तो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिये आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिये सिफारिश किए जा सकेंगे। बास्ते में उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पक्षाचार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पात्र हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इसमें नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को माननिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुगलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्रम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हो कि इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षा के लिये आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा करायी जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिये चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

टोट:—बाद में निराश न होना पड़े इमलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेजने से पहले मिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार होना चाहिए, इसके बायीं इन नियमों के परिणिष्ट-4 में दिये गये हैं।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग सैनिकों को 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप नियुक्त किए गये सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छठ दी जाएगी।

मुख्यतः: पुरुष उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे 25 किलोमीटर पैदल चलने की और महिला उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे में 14 किलोमीटर पैदल चलने की स्वास्थ्य की दृष्टि से क्षमता की शर्त की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

18. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री

- (क) जिसने किसी ऐसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो या
- (ख) जिसकी पत्नी/पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो, उन पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुदेय हो, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों की सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है;

20. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिये भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट III में दिया गया है ?

आर० एल० अग्रवाल, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधानमण्डल के अधिनियम से नियमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा-3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी हो।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय

मांडले विश्वविद्यालय

इंगलैण्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम ब्रिस्टल, कॉम्प्रिज, डर्झम, लीड्स, लिवरपुल, लंदन, मैन्चेस्टर, आक्सफोर्ड, बैंडिंग, शेफील्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैंड के विश्वविद्यालय

एवरडीन, एडिनबर्ग, ग्लासगो और सेंट इन्डियूज विश्वविद्यालय

श्रायरलैंड के विश्वविद्यालय

डब्लिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)

नेशनल यूनिवर्सिटी, श्रायरलैंड।

च्यून्स मूनिवर्सिटी, बैलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

सिध विश्वविद्यालय

बंगला देश के विश्वविद्यालय

दाका विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

विभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

परिशिष्ट I-क

परीक्षा के प्रवेश पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची

(नियम 6 के अनुसार)

1. फेंच परीक्षा 'प्रोपेड्यूटिक'।

2. उच्च ग्राम शिक्षा को राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कॉसिल आफ रूल हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं के डिप्लोमा।

3. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

4. अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का 'उच्च पाद्यक्रम' यदि 'पूर्णांग,' (फूल स्टूडेन्ट) के रूप में यह पाद्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

5. भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहवृत्ति या शिक्षावृत्ति।

6. अमेरिकन विश्वविद्यालय ब्रेल्ट, ब्रेल्ट लैबनान द्वारा प्रदत्त बैचलर आर्ट्स (बी० ए०) तथा बैचलर आर्ट साइंस (बी० एस०) की उपाधियां।

7. कैटरबरी, हंगलैण्ड में कैन्ट विश्वविद्यालय से बी० ए०/बी० एस सी० और बी० ए० (आनर्स)/बी० एस सी० (आनर्स) की डिग्री हो।

8. वरिष्ठ सेवाओं और केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों पर भर्ती के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (आल इंडिया कॉसिल फार टैक्निकल एज्यूकेशन) से इंजीनियरी या तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

9. इंजीनियरी, संस्था (इंडिया) की संस्था परीक्षाओं के 'क' और 'ख' भाग।

10. लाबरा कालेज, लेसस्टर शायर का सिविल या यांत्रिक इंजीनियरी का आनर्स डिप्लोमा, बशर्ते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो।

नोट 1:-—से 6 तक की योग्यताएं तब तक स्वीकृत नहीं होंगी, जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम से कम किसी एक में पास नहीं हो:—वनस्पति विज्ञान, रसायन-भू-विज्ञान, गणित भौतिक तथा प्राण-विज्ञान।

परिशिष्ट-II

खण्ड-I

लिखित परीक्षा की रूपरेखा—

भारतीय वन सेवा के लिये प्रतियोगिता परीक्षा के विषय—

(क) लिखित परीक्षा—

- (i) दो अनिवार्य विषय, सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान। [नीचे खण्ड II का उपखण्ड (क) देखें]

पूर्णांक 300

- (ii) निम्नलिखित खण्ड II के उपखण्ड (ब) में दिए गए ऐच्छिक विषयों में से चुने गये विषय। इस उपखण्ड की व्यवस्था के अधीन उम्मीदवार उनमें कोई दो विषय ले सकते हैं।

पूर्णांक 400

- (ख) ऐसे उम्मीदवारों को जो आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के साक्षात्कार के लिए (इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग के अनुसार) बुलाए जाएंगे।

पूर्णांक 200

खण्ड II

परीक्षा के विषय

- (अ) अनिवार्य विषय (ऊपर खण्ड I के उपखण्ड क(i) के अनुसार):—

(1) सामान्य अंग्रेजी	पूर्णांक	150
(2) सामान्य ज्ञान	पूर्णांक	150

- (ब) ऐच्छिक विषय:—(ऊपर खण्ड I) के उपखण्ड क(ii) के अनुसार:—

विषय	कोड संख्या	पूर्णांक
(1) कृषि विज्ञान	01	200
(2) वनस्पति विज्ञान	02	200
(3) रसायन	03	200
(4) सिविल इंजीनियरी	04	200
(5) भू-विज्ञान	05	200
(6) कृषि इंजीनियरी	06	200
(7) रसायन इंजीनियरी	07	200
(8) गणित	09	200
(9) यांत्रिक इंजीनियरी	10	200
(10) भौतिकी	11	200
(11) प्राणि विज्ञान	13	200

परन्तु उपर्युक्त विषयों पर निम्नलिखित पारंदियां सारू होंगी,

- (i) कोई भी उम्मीदवार (कोड 01 तथा 06 के विषयों को एक साथ नहीं ले सकता है।)
- (ii) कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त (कोड 03 तथा 07 के विषयों को एक साथ नहीं ले सकता है।)

नोट:—ऊपर लिखे विषयों का स्तर और पाठ्यक विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग के में दिया गया है।

खण्ड—III

सामान्य

- सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे।
- उपर्युक्त खण्ड II के उपखण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 3 घटे का समय दिया जायेगा।
- उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा। और उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (व्यालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

- यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिये जायेंगे।

- अनावश्यक ज्ञान के लिये अंक नहीं दिए जायेंगे।

- परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में अम बढ़ तथा प्रभावपूर्ण हंग और ठीक-ठीक की गई है।

- उम्मीदवारों से तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के उत्तर में जहाँ कहीं ऐसा आवश्यक हो, तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए।

अनुसूची

भाग-क

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान/इंजीनियरी ग्रेजुयेट से आशा की जाती है।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग भारतीय विश्वविद्यालयों की स्नातक उपाधि (पास) के समान होगा। किसी भी विषय में व्यवहारिक परीक्षा नहीं ली जाएगी।

सामान्य अंग्रेजी :

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिससे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञापन :

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेषण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना हो जाना चाहिए।

कृषि (कोड-01)

उम्मीदवारों को भाग (क) और (ख) या भाग (क) और (ग) के नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(क) कृषि अर्थ शास्त्र

कृषि अर्थ शास्त्र का अर्थ तथा क्षेत्र अध्ययन का सात्पर्य तथा अन्य विज्ञानों से संबंध, भारतीय आर्थिक स्थिति में कृषि का महत्व, राष्ट्रीय आय की उसकी देन, अन्य देशों से तुलना, भारतीय कृषि उत्पादन, बिक्री, श्रम, उधार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का अध्ययन।

फार्म प्रबन्ध के अध्ययन के तरीके, इसका अर्थ तथा क्षेत्र अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से संबंध धारणाएं तथा फार्म प्रबन्धक के मूल सिद्धान्त। फार्म के निर्धारण के प्रकार और तरीके, पृथ्वी जल श्रम और साज-सज्जा, फार्म की दक्षता को मापने के तरीके, फार्म के हिसाब किताब के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अभिलेख तथा लेख, आर्थिक लेखा-विधि, औद्योगिक लेखा-विधि तथा पूर्ण व्यय लेखा-विधि।

(ख) स्थाय विज्ञान

फसल उत्पादक खरीद की फसलों का विस्तृत अध्ययन, धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूँगफली, तिल, कपास, सनई, मूँग, उर्द, उनके परिचय सहित बटन, अपननीय खेत तैयार करना, अच्छे प्रकार के बीज बोना और बीजों की दर, मिलाकर बोना फसल काटना, घंडार में रखने, फसल की पैदावार का भौतिक निवेश।

रबी की महत्वपूर्ण फसलों का विस्तृत अध्ययन, गेहूं, जो, चना, सरसों, ईख, तम्बाकू, बैसीसीम, उनके इतिहास, बैटन, भूमि तथा जलबायु की आवश्यकताएं, बीच की क्यारियों की तैयारी उक्त प्रकार की किसमें बोना और बीज की दर, निराई, गुणाई, कटाई, घंडार में रखना फसलों का भौतिक निवेश।

धास-पात और धास-पात नियन्त्रण धास-पात के वर्गीकरण, आवास तथा भारत में आवश्यक धास-पात की किसमें। धास-पात द्वारा पहुंचाई जाने वाली हानियाँ/धास-पात के परिवेक्षण को ऐजेन्सियों और धास-पात के सांस्कृतिक, जैविक और रासायनिक नियंत्रण।

सिन्चाई और जल निकास के सिद्धांत-सिन्चाई जल की आवश्यकता और जल, फसलों को जल की आवश्यकता की मात्रा, साधारण जल की लिप्तें, जल मात्र सिन्चाई के जल की व्यर्थ जाने से रोकना, सिन्चाई के तरीके और ढंग और प्रत्येक ढंग के लाभ और कमियाँ। सिन्चाई के जल की माप, पृथ्वी की नमी और पृथ्वी की नमी विभिन्न प्रकार और उनका महत्व/जल-निकास और इसकी आवश्यकता, जल की श्रिक्षिता के कारण क्षति पहुंचना, जल निकास के हंग।

मृदा-विज्ञान और भूमि संरक्षण

मृदा (सोयल) की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, भूमि के प्रोफाइल भूमि के ऊनिज कोलाइज, धनायन विनियम, धनता, आधार स्तिति प्रतिशत, आयन विनियम, पौधे की बढ़ोतारी के लिये आवश्यक पौशक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पौधे का पौष्टक बनाने में उनका कार्य, जैव पदार्थ, इसका गतना, और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव, एमिड और क्षारीय मिट्टी उनकी बनावट और भूमि उदार, भूमि के तत्वों पर आग्रहित आदों हरी खांडों और उंचरों का प्रभाव/साधारण नाइट्रोजनमीकास्ट्रेटिक और पोटेशियल उंचरों के गुण।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रचना, भूमि रन्धातर, भूमि संरचना भूमि जल, भूमि जल के प्रकार इसकी रुकने की क्रिया, भूमि जल का सुलभ होना तथा भूमि जल का काभाव।

भूमि का तापमान भूमि वायु तथा इसका महत्व/भूमि संरचना, इसके प्रकार तथा भूमि के भौतिक रासायनिक गुणों पर उनका प्रभाव।

भूमि आकारिकों और भूमि का सर्वोक्षण भूमि का हूटना मृदा बनाने वाली चट्टानों और खनिजों मृदा के बनाने में उनका संगठन और महत्व/चट्टानों तथा खनिजों का अप्रभाव, मृदा बनाने के कारण और रीतियाँ तथा सासार के मृदा सम्हृ तथा उनका कृषि संबंधी महत्व भारतीय मृदाओं का अध्ययन मृदा का सर्वेक्षण तथा वर्गीकरण। भूमि संरक्षण के सिद्धांत——मृदा का अपरदन/अपरदन के कारण, भूमि संरक्षण, शास्त्र तथा इंजीनियरी के प्रचलित तरीकों केंसे संबंधित मृदा के गुण, कृषि भूमियों के लिये भूमि में जल निकास की आवश्यकताएं तथा प्रचलित तरीके, भूमि-प्रयोग का वर्गीकरण भूमि संरक्षण, योजना तथा कार्यश्रम।

वनस्पति विज्ञान (कोड 02)

1. पादप जगत का सर्वेक्षण—पशुओं तथा पाद में अन्तर जीवित प्राणियों के गुण एक सैल तथा अधिक सैल वाले प्राणी वाहरस। पादप, जगत के विभाजन का आधार।

2. आकारिका—(1) एक सैल वाले पादप-सैल, इसकी बनावट तथा अग, सैलों का विभाजन तथा गुण। अधिक सैल वाले पादप—

संवहनी और संवहनी-रहित पादपों के तरों में विभिन्नता संवहनी पादपों की बाहरी तथा आन्तरिक आकारिकी।

3. जीवन इतिहास—नीचे दिए गए पादपों में कम से कम एक प्रकार के पादप का अध्ययन—जीवाणु, साइनाकाइसी, क्लोरी-फाईसी, फियोपिशनी, सेडीकाईसी, फाइकी फाईसी, एस्कोमी-साइटलस, बेसी डाइयों मीसाइटस, लिवर पोर्टस, काईयों टेली-फाइसस, जिमनोस्पेरमस और एंजीयोस्पेरमस।

4. वर्गीकरण के सिद्धान्त-एजियोस्पनर्ज के वर्गीकरण के प्रमुख ढंग : प्रजतियों का प्रत्याभाकृतियों तथा आर्थिक महत्व प्रेक्षेनिया, साईटोमिनाएं, पाएसीयाएं, लिली-एसाइर्स श्रारकोडेसीईसी, मोराइसी, प्रेगोलइसी, लौराइसी, यूसीफास, रोसाईसी, लेगुमानासाई, सर्थईसी, मैलियाईसी, सौलेनाईसी, रुबिया सिआई, कुकरवाई टेसवाई, बरबनाईसी और कम्पोजिटाई।

5. पादप-कार्मिकों-स्वपोषण, परपोषण जल तथा पौषक पदार्थों का भीतर लेना-वाहमोत्सर्जन, संश्लेषण, खनिज के पौषक पदार्थ श्वासरन बढ़ना, जनन : पादप/पाणु संबंध, सहजीवन। परजीवन, किण्वक औक्सीमज हार्मोन्स फोटो पैरियों जिम।

6. पादप रोग विज्ञानः—पादन रोगों के कारण तथा उपचार रोगी, अंग वाडरस, गटोसरी, रोग से बचाव।

7. पादप परिस्थिति विज्ञानः—परिस्थिति तथा पादप भूगोल से संबंधित मूल तथ्य विशेषतया भारत फ्लोरा तथा भारतीय बनस्पति-विज्ञान क्षेत्रों से संबंधित।

8. सामान्य जीव विज्ञान-साईटीजीजी, उत्पत्ति, पादप प्रजनन छटनी, मैन्डलवाट, सेक्रेटोजलउत्परिवर्तन, उत्पत्ति।

9. आर्थिक बनस्पति विज्ञान पादपों के आर्थिक प्रयोग विशेषकर पुष्प पादय, मानव हित के संबंध में विशेषकर ऐसे बनस्पति उत्पादन से संबंधित जैसे अम्ब, दाले फल, चीनी और चावल, तिल मसाले, पेय ततु, लंकड़ी रबड़ दबाईयां तथा आवश्यकतिल।

10. बनस्पति विज्ञान का इतिहास बनस्पति विज्ञान से संबंधित ज्ञान के विकास को सामान्य जानकारी।

रसायन (कोड-03)

अकार्बनिक रसायन-

इलैक्ट्रोनिक तत्वों का विन्यास/अयूफ्वाऊ सिद्धान्त/तत्वों का समायाकालिक वर्गीकरण/परमाणु संख्या संग्रहण तत्व तथा उनकी विशेषताएं।

परमाणु तथायनिक रेडियों, स्थितिज आयनीकरण, विद्युत आकर्षण तथा बैटर्य ऋणात्क।

प्राकृतिक तथा बनावटी रेडियो धर्मिता/त्यूकुलीय विश्वाणुन तथा संयोजन।

इलैक्ट्रोनिक संयोजनकर्ता का सिद्धान्त/सिरमा तथा पाइबान्डस समिन्वित बाल्डस के सकरण तथा दिशात्मक स्वरूप से संबंधित एच्चिक विचार।

बार्नर की योगिक समन्विता का सिद्धान्त/सामान्य धातु-कर्मीय तथा विश्लेषणात्मक संकिया में इलैक्ट्रोनिक तत्वों के विन्या की सीमिति।

आक्सीकरण स्टैट्स तथा आक्सीकरण संख्या/सामान्य आक्सीकरण तथा लघुकारण एजेन्ट्स/आयनिक समता/ऐसिड तथा बेसज की संबंधित लेकिस तथा गोबोनस्टैड सिद्धान्त।

सामान्य तत्वों का रसायन तथा उनका मिश्रण जिन्हे विशेषतः समयकालिक वर्गीकरण के दृष्टिकोण से माना गया।

आवश्यकता तत्वों के निर्करण, वियोजन (तथा धातु-कर्मीय) के सिद्धान्त।

हाईट्रोजन पैरासाइट के स्वरूप, डाईप्रेन, अल्यूमिनीयम क्लोराइड तथा नाईट्रोजन फोस्फोरस तथा सल्फर के आवश्यक ओसाईड्स।

अक्रिय गैसें—वियोजन तथा रसायन हनार्गनिक रसायन विश्लेषण के विद्धान।

निम्नाक उत्पादन की रूपरेखाएं—

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम हाईट्रोआक्साईड, अमोनिया, नाईट्रोसिड, सल्फरिक ऐसिड, सल्फरिक एसिड, सिमेंट, शीशा तथा बनावटी उर्वरक।

कार्बनिक रसायन

2. कोबलेन्ट वाउन्डिंग के आधुनिक विचार/इल्कट्रोन विस्थापन प्रेरण, नियोमेरिक तथा हाईट्रोजेनेटिव प्रभाव। संस्पदन तथा कार्बनिक रसायन में इसका प्रयोग : वियोजन नियंत्रक संबंधी स्वरूप की प्रभा।

अलकानोज, अलकानोज तथा अल्कानीज। पैट्रोलियम का आर्गेनिक मिश्रण स्रोत। ऐलेपिटिक मिश्रण के साधारण संजात। एल्कोहल, ऐसिलहाईड, केटोन्सब ऐसिड, बालोडियों, स्टोरियों, इथेरियों, आम्ल एनाहाईड्राइड्स, क्लोराइड, तथा एमाण्ड। मानेविसिक हाईड्रोक्रित, केटोनिक तथा अमानो अम्ल कार्बाधी-वित्वक योगिक मैलोनिक तथा एंटीऐसेटिक इस्टर। आटारटारिक, साईट्रिंक मौलिक तथा ऐसाटीऐसेटिक इस्टर। सुगंधित अम्ल। कार्बोहाईड्रेट, वर्गीकरण तथा सामान्य प्रतिक्रिया, गलूकोज, पोटोज तथा स्फुओज, स्टेरियोरसायन, ऐच्चिक तथा ज्यामितीय समावयव। (रचना के सिद्धान्त)।

II. इलेक्ट्रोरसायन, पारडिज का इलेक्ट्रोनिकस का सिद्धान्त।

वन्जीन तथा इसके सरल व्युत्पन्नका, टोलीन, एक्सीन, किनियील, एसोईड नाईट्रो तथा एमीनों योगिक, वैन्जीनिक, सैलिसाईक्लिक, सिनामिक, मैन्डलिक तथा भल्पोनिक अम्ल। ऐरोमेटिक ऐलिडियोर इड्स तथा केटोनस। उईजो, ऐसी तथा हाइड्राक्सों योगिक। ऐरोमेटिक प्रतिस्थापन। नफलाइमोनियों, पिराडाइन तथा क्यूनोलाइन।

III. भौतिक रसायन: किटेनिक के गैसों के सिद्धान्त तथा गैसों के नियम दुंतगति के दारे में बैक्सवेल का वितरण का नियम। वान्डोरन्वालियों का समीकरण। गैसों के द्रवण का नियम। द्रव्यों के कुछ भौतिक गुण। गैसों के विशिष्ट शीर्ष। सी० पी०/सी० पी० का अनुपात।

थरमोडाइनिक्स/थरमोडाइनिक्स का फहला नियम। ग्राइसोथरमल तथा ऐडिग्रेटिक फेलाव/एनथलपो।

(iv) कोलाइड्ज़ : कोलाइड्ल विलयनों की सामान्य प्रकृति और उसका वर्गीकरण गर्मी की अवस्था। शर्मोरसायन—गर्मी का प्रभाव, रखना, विलयन, दाह्यता। बन्ड शक्तियों का समिश्रण। पिण्डीय का समीकरण।

स्वाभाविक परिवर्तन का मानदण्ड। थर्मोइड्सिक्स का दूसरा सिद्धांत। इटोपी, फी इनर्जी। रसायन समान्वय का मानदण्ड विलयन:—परासरण (आसेटिक) दबाव।

भाष का दबाव कम करना, हिमायन बिन्दु का अवनमन, गर्म, बिन्दु का उत्पन्न (अंचा उठाना) आणविक भाष के विलयन का निर्धारण। सीलिटोज का सगुणन तथा अवगुणन होना।

रसायन समय:—मास एक्सन का सिद्धांत और इसका सदृश तथा सबत: जनन समय में प्रयोग किया जाना। ली चेटरलियार का सिद्धांत। रसायन साम्य के साथ ताप का प्रभाव होना।

(v) इलैक्ट्रो के रसायन, पारडिज का इलैक्ट्रोलाईसिस का सिद्धांत। विद्युत अपघट्य की चालकता, सम चालकता तथा आवमिश्रण से इस की विभिन्नता—अपर्याप्त रूप से घुलनशील लवण की घुलनशीलता, विद्युत अपघट्टनी विधटन, औस्टवर्ड का अवमिश्रण का सिद्धांत, बलशाली विद्युत अपघट्टयों की असंगति, घुलनशीलता उत्पाद, अम्ल और आधार का बल, लवणों का जल विलयन, हाईड्रोजीनियन संकेन्द्रण, उभव क्रिया, सांकेतिक के सिद्धांत।

प्रतिवर्त्य कोशिकाएं, स्टैन्डर्ड, हाईड्रोजन तथा कैलोमन एलेक्ट्रोड। इलैक्ट्रो तथा रेड आक्स पोटेशियल्यस, संकेन्द्रप कोशिकाएं। पी० एच० का निर्धारण। ट्रांसपोर्ट नम्बर। जल का आयनिक उत्पाद पोटेन्शियोमीटरी टिटरेशनस।

रसायनिक बलगति विज्ञान, किसी प्रतिक्रिया की आणविकता तथा उसका क्रम। प्रथम क्रम तथा द्वितीय क्रम की प्रतिक्रियाएं। किसी प्रतिक्रिया के क्रम का निर्धारण, तापमान के गुणांक तथा उत्प्रेरक ऊर्जा। प्रतिक्रिया दारों का संघर्ष का सिद्धांत। उत्प्रेरित समष्टि सिद्धांत।

प्रवस्था नियम, अन्तर्ग्रस्त शब्दावली का स्पष्टीकरण, एक तथा दो अंगभूत सिद्धांतों पर प्रयोग। वितरण नियम। कोलाइड्स के आयोजन तथा गुणों के सामान्य सिद्धांत। अभाव। संरक्षात्मय क्रिया तथा गोल्ड नम्बर। अधिष्ठोषण।

उत्प्रेरणा: संभाग तथा विभाग मांग उत्प्रेरण। प्रोमोटर्स। विषाक्तीकरण।

फोटो रसायन: फोटो रसायन के साधारण संचात्मक नियमों के सिद्धांत।

सिविल इंजीनियरिंग: (कोड—04)

(1) भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण तथा सामर्थ्य।

भवन निर्माण कार्य सामग्री—इमारती लकड़ी, पथर, ईट, कूना, टाइल, सन्ड सुरखी, मोटर तथा कंशीट, धातु तथा कांच इंजीनियरिंग में प्रयुक्त होने वाली धातु और इलाइज के गुण।

स्टैंस तथा स्टेन—हाक्स सिद्धांत—वैडिंग। डाइशन डाइरेक्ट स्टेस शहतीरों के मुड़ने का इलास्टिक सिद्धांत केन्द्रीय रूप से बोक्सा पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव। वैडिंग मूर्मेंट और शियर फोर्स के डायग्राम तथा स्थिर और चलायमान दबाव के अधीन शहतीरों का विक्षेप।

2. भवन निर्माण, जल प्रदाय और सफाई से सम्बन्धित इंजीनियरिंग।

निर्माण—ईट तथा पत्थर की चिनाई—दिवार, पर्छी तथा छत, जीने, लकड़ी के दरवाजों पर नक्काशी, छतें, दरवाजे खिड़कियां तैयार करना। प्लास्टर, कोने टाकिर करना, पेन्ट तथा वार्निंग आदि सम्बन्धित अन्तिम कार्य।

भूमि यांत्रिकी (सोयल मैकेनिक्स) भूमि से सम्बन्धित खोज, भावप भारवाहन और भवनों की नीचों से सम्बन्धित ज्ञान डिजाइन बनाने के सिद्धांत।

भवन निर्माण सम्बन्धी अनुभाव तैयार करना—सिद्धांत नाप की इकाईयों, भवनों के लिए उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण मद्दों के विवरण तैयार करना।

जल प्रदाय—पानी के स्रोत, विद्युतधाता की मात्रा, शुद्ध करने की प्रणालियों, जल प्रदाय के छंग, पम्प तथा बूस्टर आदि की रूप रेखा तैयार करना।

सफाई:—गंदी नालियां, सूफान से बढ़े हुए पानी के लिए और मकानों के लिए अपेक्षित नालियों की आवश्यकताएं जांचना सौपिटकटेंक, इम्होफ टैक, कच्चरे को रखने के लिए खाईयां तैयार करना—एक्टोवेटेड ज्लाज पद्धति।

3. सड़क तथा पुलों का सर्वेक्षण तथा संरक्षण (अलाइनमेंट)—रामार्ग के लिए अपेक्षित सामग्री तथा उनके उन्योग डिजाइन के सिद्धांत नीचे तथा पटरियों के केम्बर, ग्रेडिएन्ट भोड़ और सुपर एलिकेशन टिटरिंग काल्स।

निर्माण:—कच्ची सड़कों स्थिर तथा पानी के बने हुए मेकडेम सड़कों, विटमिन्स तलवाली तथा कंशीट सड़कों, सड़कों पर नालियां पुल—उनके प्रकार, इकोनिमिकल स्पेन, आई० आर०/सी०-लोडिंग, छोटे पुलों के ऊपरी ढांचों के डिजाइन बनाने, पुलों तथा पाकर और कुएं बनाने, पायल तथा कुएं बनाने पापर तथा पिल पाया की नीचे के डीजाइन तथार करने के सिद्धांत तथा प्राक्कलन तैयार करना।

सड़कों और नहरों के लिए खुदाईयाँ।

(4) संरचना इंजीनियरिंग—इस्पात के ढांचे अनुमत ढांचे, शहतीरों साधारण तथा तैयार किए गए बढ़े और साधारण छत के प्रटेस और गार्डरों के डिजाइन तैयार करना, स्तम्भों के आधार तथा चारों ओर से बीच से दबाव पड़ने वाले स्तम्भों के लिए ढांचे अनाना—चटकनी लगे, रिफट लगे हुए और बैल्ड किए हुए जोड़।

आर० सी० सी० स्ट्रक्चर (ढांचे)—प्रयुक्त सामान का विवरण—अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग आवंटन करना। डिजाइन लोड्स के लिए भारती मानक संस्थान

के मानक आर० सी० सी० के पदार्थों में अनुभव स्ट्रेस जोड़ सीधी बैंडिंग स्ट्रेस के अनुमार हों। साधारण रूप से सहारे के साथ लटकते हुए कैन्टीलीवर लट्ठे और तथा रीको शेकल के पट्टे जो फारों छतों प्रीर लिटल में प्रयुक्त होते हों—चारों ओर से दबाव सहारने वाले स्तंभ तथा उनके आधार।

भूविज्ञान (कोड-05)

सामान्य भूविज्ञान

भूमि की उत्पत्ति व वायु तथा इसका भीतरी भाग, विभिन्न भू-विज्ञान सम्बन्धी तत्व तथा स्थलाकृति विज्ञान उनके प्रभाव। अनुएं तथा भूखण, उनका वर्गीकरण तथा भारत में मिट्टी की श्रेणियाँ, भारत के भू-विज्ञान के आधार पर उपचारण। पैदावार तथा स्थलावृत्ति विज्ञान, ज्वालामुखी पहाड़ तथा भूकम्प, तथा पहाड़ों का तल विश्लेषण।

2. संरचना भूविज्ञान आम्य सामग्री संरचनाएं, समझन, तिलम्बी तथा प्लान बालास और असंताएं तथा दृष्टिकों बनाने के दिशों का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. क्रिस्टल विज्ञान तथा खंजिन विज्ञान :—

क्रिस्टल साम्य क्रिस्टल विज्ञान के नियम तथा क्रिस्टलों की विशेषताएं तथा भूल सम्बन्धी प्रारम्भिक ज्ञान।

महत्वपूर्ण शैल निर्माण का प्रध्ययन, जिसमें खुदा के खनिज तत्वों के रासायनिक गुण, उनके भौतिकीय गुण, प्रकाशीय गुण उसमें परिवर्तन तथा उसके वाणिजियक उपयोग।

4. आधिक भू-विज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण आधिक खनिजों तथा उनके निषेपों, कच्ची धातुओं के उदगत तथा उनके वर्गीकरण से सम्बन्धित प्रध्ययन।

5. पैदालाजी—

अग्रिम दाने दार और परवार शैल को उनके उद्गम और वर्गीकरण सम्बन्धी प्रारम्भिक ज्ञान, सामान्य शैल श्रेणियों का ज्ञान।

6. स्तरित शैल विज्ञान :

स्तरित शैल के सिद्धांत भू-विज्ञान सम्बन्धी।

रिकार्ड का अभ्य विज्ञान सम्बन्धी तथा काल सम्बन्धी उपचारण। भारतीय स्तरित शैल विज्ञान की मुख्य-मुख्य बातें।

7. जीवाशम विज्ञान—विकास के सम्बन्ध में जीवाशम विज्ञान सम्बन्धी तत्वों का प्रधाव, जीवाशम (पालिस), उनके प्रकार तथा संरक्षण के दंग। प्राकृति विज्ञान तथा पशु और पौधे जीवाशमों के प्रधान रूपों में उसके वितरण का प्रारम्भिक विज्ञान।

कृषि इंजीनियरिंग (कोड-06)

1. भू तथा जल संरक्षण—भू संरक्षण की वाईख्या तथा उसका ज्ञेय, भूरक्षण के प्रकार तथा मिकेनिकल (जल विज्ञान) उनके कारण, जल विज्ञान सम्बन्धी चक्र, वर्षा तथा जलवाह, ऊपर प्रधाव ढालने वाले तत्व तथा उनके आकार। स्ट्रीय उन

गीजिंग, वर्षाज्ञ के जलवाह का मूल्यांकन, भूरक्षण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजीनियरिंग।

मूलभूत खुले हुए जलधारों का बनाना। भू-संरक्षण सम्बन्धी ढांचों, टेल, बाध, मालियों तथा घास लगाने हुए पानी के निकास के भागों का डिजाइन बनाना, बाढ़ नियंत्रण के सिद्धांत। बाढ़ के पानी के निकासी के लिए मार्ग बनाना, फार्म के लिए तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना नदी के किंतशरों पर भू-संरक्षण तथा उसका नियंत्रण, वायुजनिक भू-संरक्षण तथा उस पर नियंत्रण वायुजनिक भू-संरक्षण तथा उस पर नियंत्रण। जल संवरण की देखभाल के सिद्धांत।

नदी घाटी प्रयोजनाओं से सम्बन्धित जांच तथा योजनाओं को तैयार करना।

2. सिंचाई तथा ड्रेनेज भूमि-जल-पौधों के पारस्परिक सम्बन्ध। सिंचाई के स्रोत तथा प्रकार। लघु सिंचाई प्रयोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करने मिट्टी की नमी का पता लगाने की तकनीक जल के उपयोग, तथा जलपान फसलों के लिए सम्बन्ध आवश्यकताओं का परिमापन तथा उसका व्यव्यय। औकिसियल, नालों तथा नालियों में जल प्रवाह मापने के दंग, सिंचाई के दंगों को रूपन रेखाएं बनाने। नहरों, सत्तों को नालियों, पाईप लाइनों हेड प्रेट्स, डाइवरेजन वाक्स स्ट्रक्चर तथा रोड कार्सिंग के डिजाइन बनाना तथा उनके निर्माण करना। भूजल प्राप्ति। कुओं की द्रव्य इंजीनियरिंग। कुओं के प्रकार उनके निर्माण तथा उनकी खुदाई के ढंग, कुओं के विकास, कुओं को टेस्ट करना।

ड्रेनेज—परिभाषा—जल प्राप्ति के कारण। ड्रेनेज के दंग सिंचाई की जाने वाली भूमि में नालियों को बनाना। तल तथा भूमि से नीचे नालियों बनाने के डिजाइन, नालियों को तैयार करना।

3. निर्माण सामग्री-निर्माण सामग्री के प्रकार—उनके गुण।

टिस्कर विप्रवर्क तथा आर० सी० कंस्ट्रक्शन, शहरीरों, छतों के जोड़ तथा स्तंभों के डिजाइन तैयार करना। फार्म स्टेंग की योजना बनाना। फार्म हास, मैगज्जाने तथा भंडार के लिये बांधों का डिजाइन बनाना। ग्रामीण जल प्रदाय तथा सफाई की व्यवस्था।

4. फर्म विद्युत तथा मशीनरीज।

भिन्न-भिन्न प्रकार के आंतरिक कम्ब्यसन इंजिन लगाना। आंतरिक कवंस्पन इंजिनों का बातानुकूलत तथा नियंत्रण तथा उनमें तेल डालना और उनके लिये जलने की सामग्री उपलब्ध करना। ट्रैक्टरों, चौसी, ट्रांसमिशन और स्ट्रियरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकार। प्रारम्भिक तथा माध्यमिक जुताई के लिये कृषि को मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गुड़ाई के औजार आदि। पौधों के संरक्षण का समान। फसलों को कटाई, खेनाज गाहने के औजार।

5. विजली तथा ग्रामों में विजली उपलब्ध करना—

विजली तैयार करना तथा उसका वितरण। ए० सी० पी० तथा डी० पी० स्किट।

कामों में विजलो के उपयोग। कृषि में प्रयोग होने वाले बिजली तैयार के मोटर, उनके प्रकार संवंधी चयन, उन्हें लगाना तथा उनकी देख रेख।

ग्रामीण इंजीनियरिंग (कोड-07)

1. परिवहन की घटनाएँ (स्थिर स्थिति के अधीन)

- (क) मोमन्टम ट्रांसफर : (i) फलो विभन्न ढंग तथा उनके मापदण्ड।
 (ii) बैलोसिटों प्राकाइल।
 (iii) पिस्ट्रेण्सन, सैलिमेशन, संछोक्यजे
 (iv) तरल पदार्थों में ठोस पदार्थों का बहाव।
- (ख) उष्म रथनान्तरण ऊष्म स्थानान्तरण के विभिन्न डामेशन में छंग चपेट, बेलनाकार, वर्गाकार, एकमात्र, तथा मिश्रित, शीशों की तत्त्वों की लिये गति मापना।

कन्वेक्शन फोर्ड और फी कन्वेण्ट में प्रयुक्त विभिन्न डामेशन रहित थुप। अनग तथा पूर्ण रूप से स्थानान्तरण का रूप निर्धारित करना। बालीकरण-विकोकरण-स्टेपन बोल्डेंस का नियम-एमिलिविट तथा एवजीविलिटी। ज्योमट्रीकल शेष फैक्टर, भट्टियों में ऊष्मा के दबाव का हिसाब लगाना।

- (ग) सहित स्थानान्तरण, गैसों तथा तरल पदार्थों का विसरण। एडजोर्पेशन, वियोपर्शन, हयुमिलिफिकेशन, डीह्यमिलिपेशन, ड्राइंग तथा डेल्यूलेशन। मिट्टम होट तथा माप और ट्रांसफर के भेद।

2. दमोड़ीयनेमिक्स—

- (क) थर्मोडियनेमिक्स के प्रथम, द्वितीय और तृतीय नियम।
- (ख) इन्टरसल एनजी एन्टफी, एन्याइकी और फएनजी का निर्धारण। सजातीय तथा विजातीय सिद्धान्तों के लिये कैमिकल इंजिलिब्रियम कास्टेट निर्धारित करना। कंबक्षण, डिस्टिलेशन, तथा ऊष्मा स्थानान्तरण में थर्मोडिनेमिक का उपयोग। तरल पदार्थों ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के भिन्नान्त तथा मैकेनिज्म।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग :—

- (i) फ्लेटिक्स, मजातीय और विजातीय प्रतिक्रियाएँ प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रतिक्रियाएँ। बच तथा फ्लोरिक्टर तथा उनके डिजाईन।
- (ii) केटेलमिस-केटेलेमिस का चुनाव, तैयारी

मैकेनिज्म पर आधारित केटेलेमिस की मिक्रो-निकल्प (समरचना)।

4. ट्रासपोर्टेशन सामग्री, विशेषतः पउडरों, रेजिन उड़ जाने वाले तथा न उड़ने वाले पदार्थ, एमलेशन और डिसपर्शन, पंपों क्रासरों तथा तुलावर एकत्रित करना तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना। मिक्रमचर मिलाने का मिद्धान्त तथा प्रक्रिया।

5. सामग्री-वे सामले जिनसे रसायनिक उत्प्रयोग में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है। धातु-एलाय सैरमिक प्लास्टिक तथा रबर, डमारती लकड़ी तथा उससे बनी चीजें प्लाईवुड नैमिट। बाट और बरलों, फिल्टर प्रेशियर आदि के निर्माण के लिए उपस्कर तैयार करना।

6. इन्स्ट्रूमेंटेशन—तथा प्रक्रिया नियंत्रण हाउसोलिक, न्यैमेट्रिक, थरमल, आस्ट्रिकल येगेनेटिक, अलेक्ट्रोनिक औजार, नियंत्रण तथा नियंत्रण के ढंग। आटोमेण्ट।

गणित—(कोड-09)

भाग-'क'

बीज गणित: समुच्चय (सेट्स)—बीज गणित, सम्बन्ध तथा फलन (फक्शन) फलन का विलोम, मिश्रित फलन, तुल्यता संबंध,

संख्या : पूर्ण संख्या, परिमेय संख्या, वास्तविक संख्या (गुणधर्मों के विवरण) संमिश्र संख्या, सम्मिश्र संख्याओं का बीजगणित।

समूह : उप समूह, सामान्य उप समूह चक्रीय तथा क्रमचय समूह, लागेरन्ज की प्रमेय आइसोमोर्फिज्म,

परिमेय इन्डेस को डी-मोहवरस प्रमेय तथा इसके प्रयोग।

समीकरण के सिव्धान्त-बहुपदीय समीकरण, समीकरणों का रूपान्तरण, बहुपदीय समीकरणों के मूलों तथा गुणाको के बीच संबंध, धनमूलों तथा चतुर्धार्त समीकरणों का सम्मिलित फलक, मूलों का स्थान निर्धारण तथा मूल निकालने का न्यूटन का सिव्धान्त।

आव्यूह, (मटीसेज) : आव्यूहों-सारिणिकों का बीजगणित, सारिणिकों का साधारण गुणधर्म, सारिणिकों का गुणनफल, सह खंडज आव्यूह, आव्यूहों का प्रतिलोमीकरण, आव्यूहों की कोटि रेखीय समीकरण (तीन अक्षांश) के सरलीकरण में आव्यूहों का प्रयोग।

असमताएँ : गणित तथा ज्यामितीय भाष्य, कोशी की श्वार्डस असमता (केवल परिमित संख्याओं के लिये)

दो तथा तीन धाराएँ (विभिन्नियों को वेश्लेषिक ज्योमितः)

दो विभिन्नियां (धाराएँ) सरल रेखाएँ, युग्म सरल रेखाएँ वृत्त, निकाय, दीर्घवृत्त परकल्प, अतिपरकल्प (मुख्याक्ष के नाम से निविष्ट)। द्वितीय अंश के समीकरण का मानक रूप तक लघु-करण विज्ञाएँ तथा अभिलम्ब।

तीन विभिन्नियां की वेश्लेषिक ज्यामिति—

समतल सरल रेखाएँ तथा क्षेत्र (केवल कार्तीय निदेशांक)।

गणित तथा अवकलन समीकरण।

अवकलन गणित—सीमा संकल्पना, एक वास्तविक चर के फलन को निरन्तरता तथा अवकलनीयता, मानक फलनों की व्युरूपति उत्तरोत्तर अवकलन, रोल-प्रमेय, माध्य मान प्रमेय, मैकलरिन तथा टेलर श्रेणी (सबूत की आवश्यकता नहीं) तथा उनका प्रयोग, परिमेय इन्डेक्य की दिवपद संहति, धातीय, वितार, उनका प्रयोग, परिमेय इन्डेक्य की दिवपद संहति, धातीय, वितार,

लघुगणकीय, स्किरोणमितीय तथा । प्रतिपरबलयिक फलन । अनिधारित रूप किसी एकल चर के फलन के अनिश्चित पद, महत्तम तथा लघुत्तम, ज्यामितीय प्रयोग जैसे स्पर्श रेखा, प्रभिलम्ब, अधः स्पर्शरेखा, अधः प्रभिलम्ब, अन्तस्पर्शीय वक्रता (केवल कार्तीय निदेशाक) । अन्वालोपी, अंशिक, अवकलन, संभाग फलनों के लिये आयकर-प्रमेय ।

समाकलन :—गणित समाकलन की मान विधि: सतत फलनों की सीमित समाकलन की रोमन की परिभाषा । समाकलन गणित की मूल प्रमेय, परिक्रमण ठोस के चापकलन, थ्रोफल, आयतन तथा समतल थोव सांख्यिकीय समाकलन के लिये सिप्पन का नियम,

अनुक्रमों तथा श्रेणियों का अभिसरण, धन संख्याओं के साथ श्रेणी अभिसार परीक्षा अनुपात मूल तथा गौप्त परीक्षा । एकान्तर श्रेणी ।

अवकलन समीकरण :—मानक प्रथम ऋम अवकल समीकरणों का हल ।

द्वितीय तथा उच्चतर ऋम की रेखीय अवकल समीकरणों के साथ अचर गुणांक । वृद्धि तथा क्षय संबंधी समस्याओं का सरल प्रयोग, सरल आवर्त गति, सरल लोलक तथा उसके सदृश ।

भाग (ख)

यांत्रिकी : (सादिस बेक्टर) पद्धति का प्रयोग किया जा सकता है ।

सांख्यिकी—एक बल का अभ्यावेदन, बल समान्तर चतुर्भज, बल का निपटान व विघटन और समतली व समवर्ती बल को संतुलन का प्रतिबन्ध । बल विभज । सजातीय और असदृश्य समतलीय बल । धूर्ण (मार्गेन्टस) युग्म (कंपिन्स) समतलीय बल के मंतुलन के लिये सामान्य प्रतिबंध, साधारण निकायों का गुरुत्वाकर्षण केन्द्र ।

धर्षण—स्थैतिक (स्टेटिक) और सीमात धर्षण, धर्षण कोण, एक रूप न तर समतल पर कण का संतुलन, सरल प्रबलेमस, सरल यंत्र (लीवर, पुलेज की पद्धति) उपस्कर (गियर) । अभासी कार्य (दो परिमापों) गति के (डेनीसिक)–शुद्धगत विज्ञान—एक कण का स्थानात्तरण, बाल बेग और तवरण, सम्बन्धित बेग, लगातार तवरण के अधीन एक सीधी रेखा में गति । गति के बारे में न्यूटन का सिद्धान्त, नियम । केन्द्रीय परिक्रमा । सरल हरात्मक गति, गुरुत्वाकर्षण के अधीन गति (शून्य में) आवेग कार्य और शक्ति, शक्ति और रेखीय संबेग का सरक्षण । एक रूपता परिचलन गति ।

ज्योतिष गणित विकोणमिति-ज्या (साइन) और कोज्या सुन्दर, समकोण गालीय विकोण का गुणधर्म ।

गणित ज्योतिष—खगोल, निवेशाक-पद्धति, और उनका परिवर्तन, दैनिक गति, नक्षत्र और सौर समय, मध्य सौर समय, स्थानीय और मानक समय, समय-ममीकार, सूर्य और तारों का उदय और अस्त होना । क्षितिज में मुकाब, ज्योतिषीय धर्षण, सांध्य प्रकाश, लब्धन (पारालैक्स) विपद्धान (अपरेशन), अयन;

(प्रसेसन) और विदोलन (न्यूटोशन) किपन का सिद्धान्त, । ग्रह कक्षा और स्तरध्य विन्दु चन्द्रमा की आभासी गति, चन्द्र कलाप, ज्योतिषीय तंत्र सैक्सटेन्ट, संचारित तंत्र ।

सांख्यिकी—सम्भावना :—सम्भावना की श्रेणी बद्ध और सांख्यिकीय परिभाषा, कम्बिनेटीरियल सिद्धान्त के सम्भावना का जोड़, जोड़, तथा गुणा का सिद्धान्त संश्लेषण की यादृच्छिक चर (रन्डय वेरियेबल्स) विकित और सतत), डेनसिटी, फलक, गणतीय, प्रत्याशा ।

मानक बंटन—द्विविध परिभाषा, माध्यम और प्रसारण टेहापन, सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग, व्हास परिभाषा, माध्यम और प्रसारण, संयोज्यता अनुधम डाटा देने के लिये प्लासो का बंटन व फिटिंग ।

अनुक्रम (नार्मल)—सरल प्रोपरटीन और सरल अर्पलकेशन । डाटा देने के लिए नार्म डिट्रिब्यूसन फिटिंग करना ।

विचर बंटन—परस्पर संबंध, दो चार एक धात समाश्ररण जिससे दो चार शामिल हों, सीधी रेखा का फिटिंग, परवलिक और धारीय वक्र प्रोपर्टीज का सह संबंध गुणक ।

सरल प्रतिदर्शी बंटन और परिकल्पना

हाईपोथेसियस की सरल परीक्षा :—

स्थालपुलाक (रैन्डम सैम्प्ल) सांख्यिकी, प्रतिदर्शी, बंटन और मानक त्रुटि । नार्मल की सरल अर्पिलकेशन, विभिन्न माध्यम के टी० जी० और ए०फ० के बंटन की परीक्षा के लिये विभिन्न माध्यम की सार्थकता ।

उम्मीदवार को पाठ्यचर्चा के भाग 'क' के तीन विषयों अर्थात् वीजगणित (2) दो तथा तीन विमितियों की विश्लेषिक रेखागणित तथा (3) कलन (कलकुलस) तथा अवकलन समीकरण में से प्रत्येक पर एक-एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य रूप से देना होगा । पाठ्यचर्चा के भाग 'ख' से तीनों विषयों अर्थात् (1) यांत्रिकी (2) खगोल-विज्ञान (एस्ट्रोनॉमी) तथा (3) सांख्यिकी में से किसी एक पर कम से कम एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य रूप से देना होगा ।

मिकेनिकल इंजीनियरिंग (कोड-10)

(1) पदार्थों की शक्ति ।

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन-हुक का नियम ।

1. पदार्थों तथा स्ट्रेन-हुक का नियम ।

स्ट्रेस तथा रेस-हुक का नियम तथा इलार्मिटक कारंटेंस के बीच के संबंध-अंशन व कप्रेशन में कम्पाऊड वार्स तथा तापमान में परिवर्तन के कारण हुए स्ट्रेसेज ।

साधारण लदान के लिए मामलों सहारो के साथ त्वलटेके हुए और कैसी होवर बोम्स में बैंडिंग मौमेट ह्यर फोर्स तथा डिपलेट्रान ।

राउंड वार्स में टार्शन-गेप्ट स-जेरकटल द्वारा बिजली ट्रांसमिशन स्प्रिंग । कम्बाइड बैंडिंग और डाथरेक्ट स्ट्रेस तथा कम्बाइड व टोशन के सामान्य मामले ।

फल्यौर की इलास्टिक ड्योरी-स्ट्रेस कंसट्रेशन तथा फेटीन्स।
2. मशीनों और मशीन डिजाइन का सिद्धांत।

मशीनों के पुजों के साप्रेय बेलोसिटी ग्राफ तथा हिसाब लगाकर दिखाना इंजिनों के ब्रेक एफर्ट डायाग्राम फुलाई-व्योत्त की गति प्रन्तर बननेस। बेलडन्डोइव द्वारा द्रांशमिट की गई विअली। अनेत्त तथा प्रस्त बोयुरिंग, बाल तथा शेलर बोयुरिंग्स को पिकान तथा ल्यबोकेनशन। फासनिंग और लोर्किंग डिवाइस के डिजाइन बनाना। रिबेट लगाये हुए, पेच के साथ अथवा वैल्ड करके कैसे जोड़ी और फोसनिंग के लिए मानाएं।

3. प्रयुक्त बेमोडाइनोमिकल —

(फ्यूशल-कहरण दहन) एयर सप्लाई-फ्यूएल तथा एव-जोल्ट गैसों का विश्लेषण।

बोई सलस सुपरहाउट्स तथा इकोनामाहार्जर्स-बोईलर्स माउटिस तथा एक्सेरोज-बोइलर द्राघल।

वाय्य के भौतिक तत्व-आध्य संबंधी सारणियां तथा उनके उपयोग। थर्माडायनेमिक्स के नियम-गैस संबंधी नियम गैसों का विस्तार तथा संप्रेषित एयर कम्प्रेसर्स।

आदर्श तथा वास्तविक इंजन ऋम तापमान का उपयोग-द्रोपों तथा प्रेसर-बोल्यम के चार्ट तथा बाया ग्राम।

साधारण वाय्य इंजन तथा आन्तरिक दहन वाले इंजन।

इटावेटर तथा इंडाक्टरों के डायाग्राम-मिकेनिकल। थर्मल एनयन स्टेंडर्ड और वास्तविक दवताएं-सामान्य निर्माण-इंजन को द्राघल तथा हैट बेलेस।

4. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग

ग्राम मशीन, टूल्स-लम्पों, शेयर, प्लेनर, ड्रिलिंग मशीनों के सिद्धांत तथा डिजाइन पोचर मिल मशीनी ग्राइडिंग। मशीने जिंग तथा फिवस्चर। धातुओं को काटने के श्रीजार-टूल मैटोरियल-टूल ज्यामिति/कटिंग फीसिज एड्रासिक व्यात्स बैलिंग, बलडीबिलिटी तथा विभिन्न बैलिंग प्रक्रियाएं बल्डों का टेस्ट करना।

पीमिंग प्रोसेस-धातुओं का मोल्डिंग, कास्टिंग, फीजा रोलिंग तथा ड्रेंग।

मैट्रोलोजी-साइनियर तथा एगुलर परिमाप संपर्स फिनियां प्राप्टिकल इस्ट्रूमेंट्स।

उद्योग इंजीनियरिंग मेष्ट स्टडी एण्ड बर्क भनेजमेंट-मोशन टाइप संबंधी विवरण बर्क सेमीला-जांव का मूल्यांकन वेतन तथा

प्रोसाहन ग्रायोजन नियंत्रण तथा प्लांट की रूप रेखा तेमार करना।

5. फ्लुड मिकेनिक (तरल यांत्रिक) तथा जल शक्ति। बर्नौली का समीकरण क्षमूविंग प्लेट तथा बन पम्प तथा टर-वाइनें डिजाइन एप्लोकेशन्स और विशिष्ट ब्रक समानता के सिद्धांत।

गर्वानिंग-हाईट्रोलिक एक्स्युलेटर तथा इट-ब्राव फायर औन तथा लिफ्ट सर्व टंक स्ट्रोलस रिजार्वर।

भौतिकी (कोह-II)

पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी।

एक तथा ग्राम, स्केलर एण्ड केबटर अंधारीटोज जंडत्व की गति, कार्य, उर्जा संवर्ग II यांत्रिकी के आधारभूत नियम, परिमूण गति, गुरुत्वाकर्षण, साधारण कार्मनिक गति, सरल तथा मिश्रित सालक, कैटर्स लोलक, प्रत्यास्तर, तल तनाव, तरल पदार्थों को विस्कासिटी, रीट्रोपम्प मैक्सीगडगाज।

2. ध्वनि।

अधिनियत प्रमोदित तथा कम्पन, तरंग गति, धोपलर प्रभाव ध्वनि तरंगों का वेग, गैस में ध्वनि के वेग पर दबाव, तापमान तथा आव्रत्ता का प्रभाव, डीरियों, बार प्लेटों तथा गैस स्तम्भ का कम्पन विस्त्रेद, स्थिर तरंगें, वाशपारात-मापन, ध्वनि का वेग तथा उसकी तीव्रता स्वरग्राम, वास्त-कला में ध्वनियों, अल्ट्रासिनीका के सर्व, ग्रामोफोन, टोकीज तथा लाएडस्पीकरों के सिद्धांत।

3. ऊष्मा तथा उष्मा प्रेविगिको —

तापमान तथा उसका परिमाप—ऊष्मा विस्तार, गैसों में संतोषों था एक्जेविटिक परिवर्तन विशिष्ट ऊष्मा तथा उष्मता चालकता, किनोटिक के धार्वार्थ संबंधी मिद्दांत के तत्व बोल्ट्समैन के वितरण नियम के बरे में भौतिक विचार वाल डर वाल कास्टेट्स समीकरण, जूस दाम्पन का प्रभाव गैसों को तरल रूप देना, ऊष्मा इंजन कनोर्ट का प्रमय, ऊष्मा प्रबेशिकों के सिद्धांत तथा उनका सरक्ष प्रयोग ब्लक वाडी रेडिस्कान।

4. प्रकाश :

रेसिकायों कशिकों/प्रकाश का वेग/सम तथा गोनीय पृष्ठ पर प्रकाश का परावर्तन तथा अपवर्तन, आक्षुप प्रतिव्यम्ब में दोष तथा उतका सुधार, नेत्र तथा अन्य आक्षुप साधन, प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण, सरक्षल व्यक्तिकरण मापों, विवर्तन विवर्तन-प्रैटिंग प्रकाश का घृणा, स्पेक्ट्रस विज्ञान के तत्व।

विद्युत तथा चुम्बकत्व।

साधारण मामलों में थेव्र तीव्रता तथा शक्यता ग्राकलन। गीसका प्रमेय तथा उसके सरल प्रयोग, इलेक्ट्रोमीटर। किसी क्षेत्र के लिए अपेक्षित ऊर्जा, पदार्थ के विद्युत तथा चुम्बकत्व संबंधी गुण, शैधित्स, चम्कशीलता तथा वारता। विद्युत धारा के कारण सनित चुम्बकत्व, गतिमान, चुम्बक तथा कोहल मर्येनोमीटर धारा के तथा संवर्धण का परिमाप, प्रतिक्रियात्मक सक्ति तत्वों के गुण तथा उनका निर्धारण, उभा विद्युत प्रभाव, इलेक्ट्रोमेग्नेटिक हड्डक्यान, ए०सी० करेंट, ट्रांसफार्मर और मीटरों का उत्पादन इलेक्ट्रोनिक वाल्व तथा उनके साधारण प्रयोग।

बोहर के ऐटम सिद्धात के तत्व, इलेक्ट्रोन, के युड किरणों तथा एक्सरेज। इलेक्ट्रोनिक चार्ज तथा पारा का परिमाप।

प्राणी विज्ञान (कोड-13)

पशु जगत का मुख्य-मुख्य दलों में वर्गीकरण विभिन्न श्रेणियों के विशिष्ट लक्षण।

निम्नलिखित नान कोडेट के ढांचों, आदतें तथा जीवन विवरणः—

अमीवा, मलेरियल परजीवी, स्पंज, हाइड्रा, लिवरफ्यक, टेपवार्मा राउडवार्म, अधवार्म, लीच, काकरोच, घर में मक्खी-मच्छर बिच्छु, प्रेश्वाटर मसल, पोड स्नेल तथा स्टारपिस (केवल बाहरी विशिष्टताएं)।

कोटों का आर्थिक महत्व, निम्नलिखित कोटों का जीवन विवरण तथा वायोनोमिक्सः टर्माईट टिड्डी, शहद की मक्खी तथा रेशम के कोडे।

कोरडगा का वर्गीकरण।

निम्नलिखित काट्रेट श्रेणी का ढांचा तथा उनकी तुलनात्मक शरीर रचनाः—

डाक्योस्टीमा, स्कोलोडीन, मेडक, यूरास्टिका या अन्य कोई छिपकली (बेरानस का पंजर), कबूतर (पक्षियों का पंजर) तथा खरगोशल चूहा, गिलहरी। मेडक और खरगोश के संदर्भ में पशुपारीर के विभिन्न भागों की हिस्टोलोजी तथा फिज्योलोजी, ऐडी करीन गेष्ट तथा उनके कार्य का प्रारंभिक ज्ञान।

मैट्टक तथा कुक्कुर के शारीरिक ढांचों के तथा मेम्मेलियन प्लेसेदा के कार्य संबंधी ज्ञान।

विकास नसलों के भेद, सम्मिलन रोकेपोचुलेशन के सामान्य सिद्धांत मेडिलियन।

विकास और नसलों की सिन्हता के सामान्य सिद्धांत, अनुकूलन प्रत्यास्मरण-परिकल्पना, मैडेलियन की वंशानुगति, परनरजनन के यौन भिन्न तथा यौन प्रकार अनिर्ण्यक जनन, कायन्तिरण।

भारतीय पशुजगत के विशिष्ट संदर्भ में पशुओं का कवक विज्ञान और भूविज्ञान संबंधी वर्गीकरण।

भारत के वान्य प्राणी, जिसमें जहरीले और बिना जहर वाले और ओविठ पक्षी शामिल हैं।

भाग-ब्य

व्यक्तित्व परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा, जिसमें प्रलयात शिक्षा शास्त्री भी होंगे। बोर्ड के सामने उम्मीदवार का सर्वांगीन जीवन बृत होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि ये केवल अपने विद्यालयन के विशेष विषयों में ही सूक्ष्म बूस के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं में और उन नई खोजों में रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

इन्टरव्यु महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन युक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों को मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति का उद्धारण करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों का मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति संतुलित निर्णय की शक्ति और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संठन की योग्यता, चारित्रिक इमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट—III

(नियम 21 के अनुसार)

भारतीय बन सेवा संवधी संक्षिप्त व्योरा (नियम 21 के अनुसार)—

(क) नियुक्तियां परस्पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा? सफल उम्मीदवारों की परख की अवधि म, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित सम्भव हो, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी,

ऊपर खंड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार का राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(च) वेतन-मान

जूनियर वेतन-मान	रु० 700-40-900- द० रु०- 40-1100-50-1300 (15 वर्ष)
सीनियर वेतनमान	रु० 1100 (छटे वर्ष या उससे पहले) 40-1100-50/2-1250
वनपाल	रु० 1300-60-1600-100- 1800
उप-वेतन महा-परीक्षक	(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है) रु० 2000-125/2-2250
अपर मुख्य वनपाल	(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है) रु० 2250-125/2-2500
मुख्य वनपाल	रु० 2500-125/2-2750
उप-मुख्य वनपाल	रु० 2000-125/2-2250 और रु० 300 प्रतिमाह शिशेप वेतन सहित
वन महानियोगिक तथा भारत सरकार के पदेन अपर सचिव	रु० 3000-100-3500

महगाई भत्ता :—समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की मेंवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बिताई गई अवधि को समय मान वेतन-बृद्धि छुट्टी का पेंशन के लिये गिनते की अनुमति होगी।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) छुट्टी—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(झ) डाक्टरी परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(ञ) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्ति किए गए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मुख्य-वनसेवा-निवृत्ति लाभ) नियमावली 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ठ—IV

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(नियम 17 के अनुसार)

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि यह अनुमान लगा सकें कि ये अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षक (मैडिकल एजामिनर) के लिये भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न माने हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सरकार सेवा में लिया जा सकता है और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूरा अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के योग्य छहराये जाने के लिये यह जल्दी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभवता हो।

2. चलने की परीक्षा—पुरुष उम्मीदवारों को 4 घन्टे में पूर्ण होने वाली 25 किलो मीटर और महिला उम्मीदवार को 4 घंटे में पूर्ण होने वाली 14 किलो मीटर चलने की परीक्षा में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन महानियोगिक तथा भारत सरकार द्वारा इस परीक्षा को लेने की व्यवस्था इस प्रकार से की जायेगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को बैठक केसाथ-साथ हो सके।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियान समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएं। यदि बजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर का कम से कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर	फैलाव
(पूरा फला कर)		
सें मी०	गें मी०	में मी०
163	84	5 (पुरुषों के लिये)
150	79	5 (महिलाओं के लिये)

"अनुसूचित आदिम जातियों तथा गौरखाओं, गढ़वालियों, अमभियों, नाशालड की आदिम जातियों आदि के उम्मीदवारों के लिए, जिनका आसैत कद विशिष्टतया कम होता है, कम से कम निर्धारित कद में स्थृत दी जाती है।"

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में माना जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाव आपस में जुड़े रहे और उसका बजन, सिवाय ऐडियों के पाथों की डगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडिया पिडलियां नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उम्मी टोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिजेटल बार (आड़ी छड़ा) के नीचे जाए। कद सैटी मीटरों और आधे सैटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे और इसका ऊपरी किनारा असफलक (शेल्डर बैन्ड) के निम्न कोणों (इन्कीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेटल लेवल) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का व्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिने। जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सैटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करने समय आधे सैटीमीटर के कम से भिन्न फैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

6. उम्मीदवार का बजन भी किया जायेगा और उसका बजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के प्रेक्षण को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल) :—किसी रोग या दिलधिणता (एंबनर्मेलिटि) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को भैंगापन या आँखों पलाके अवयव साथ लगी संरचनाओं (कटिग्रास स्ट्रॉक्सर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके उपयोग की संभावना को तो उम्मीदवार की अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि की पकड़ (विजुएल एक्विप्टी) —दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये दो जांचे की जाएंगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की प्रलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होती, किन्तु प्रत्येक केस में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर	नजदीक की नजर
आच्छी आंख (ठीक की हुई आंख)	खराब आंख (ठीक को हुई आंख)
6/6	6/12
या 6/9	जे० I 6/9

नोट:—

(1) फँडेम परीक्षा—मायोपिया फँडेम के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उसमें उम्मीदवार को कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे आयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

मायोपिया का कुल परिमाण (सिलेन्डर सहित) — 4.00 डी से नहीं बढ़ेगा। हाईपरमीट्रिकिया (सिलेन्डर सहित) 4.00 डी से नहीं बढ़ेगा।

शर्त यह है कि उम्मीदवार भारी निकट दृष्टि के कारण आयोग्य पाया जाये तो यह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञ के विशिष्ट बोर्ड को भेज दिया जायेगा। जो यह घोषणा करेंगे कि निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जायेगा बश्यते वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी अपेक्षाएं पूरी करे।

(2) कलर विजन (i) रंगों के संबंध में नजर की जांच जारी ।

(ii) नीचे दी हुई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) प्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न के धारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो ।

प्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का प्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट
2. दबारक (एपर्चर) का आकार	1. 3 मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकण्ड

(iii) साल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसनी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इण्डिया की पुलेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसके रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिये बिल्कुल विश्वासनीय समझा जायेगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अप्रोग्य पापा जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड अफ विजन)—सभी सेवाओं के लिये सम्मुखन विधि। (कन्ट्रीट्रेशन मैथड) द्वारा पुष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतोंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतोंधी की जांच नैमी रूप से जरूरी नहीं है। रतोंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिये कोई नियम स्टेंडर्ड टेस्ट नहीं है भैंडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए। जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि को पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आंख-लर कंडीशन्स)

(क) आंख की इस बीमारी को या बहुत हुई वर्तन-तुटि (प्रोग्रेसिव रिफिटिव ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि को पकड़ के कम होने की संभावना हो, अप्रोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रेकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो ये असंतीर से अप्रोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भैंगापन (स्किवट) द्विनेत्रों (बाईनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है नियम स्टैन्डर्ड की दृष्टि को पकड़ होने पर भी भैंगापन को अप्रोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

8- रक्त दाव (ब्लड प्रेशर) --

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने नियम से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिलकुल संतोष जनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर से सिस्टालिक प्रेशर को और 90 से ऊपर के डास्टालिक प्रेशर की संदर्भित लेना चाहिए और उम्मीदवार को अप्रोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (ओर्गेनिक बीमारी) (ऐसे सभी केतों में हूदूद की एक्सरे और विषुल इल्सी (इक्टो-कॉडिया मापिक) और रक्त यूरिया निकास (बिल्येरेंस) की जांच भी नैमी से की जानी चाहिए। किर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाव लेने का तरीका)

नियमत: पारे वाले दावमापों (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का आसा (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बार्ट तक किसी विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और भाराम से हो। कुछ हारिंटेल स्थिति में रोगी के पाश्वर पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए कक में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ की भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहली के भाड़ पर प्रगांड धमनी (व्रेकिप्रल आर्टरी) को दबा-दबा करडूंडा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेयर्स्कीप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ से साथ न लगे। कफ में लगभग 200 हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-2 हवा निकाली जाती है। हल्की कमि ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं यह डारटालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्यों कि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये भोक्तार होता है और इससे रीडिंग गलत होता है यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निपिच्त स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'माइलेंट' गेप' से रीडिंग में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घोतक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीद बार रक्तोंज मेह (ग्लाइकोस्लियरआ) के सिवाएं, अभेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टेंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि रक्तोंज मेह अपूर्थमेही (नान डायाबेटिक) हो और बोर्ड केस की मैडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मैडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टैस्ट समेत जो भी किलिनिकल या लेबोरटरी परीक्षाएं जहरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड को 'फिट' या 'अनफिट' की अन्तिम राय अधिरित होगी। दूसरे शब्दसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वंय उपस्थित होना जहरी नहीं होगा। अधिकारी के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जहरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई औरत उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसके अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाय। किसी रजिस्टर्ड चिकित्साकर्ता से अरोग्य का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा-परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :—

(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फीक्वेंसी में पूर्ण बहरापन, दूसरा कान बहरापन 30 डेसीबल तक हो तो गैरतरुनीकी

(2) दोनों कानों में बहरे पन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्वरण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ मुद्यार संभव हो। काम के लिये योग्य यदि 1000 से 4000 तक की सी विकेंटेसी में बहरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल (i) एक कान सामान्य टाईप के टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र। कान को शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनता या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।

- (4) एक और से/दोनों (i) किसी एक काम के मामान्य रूप और मेर मस्टायड कैविटी से मुताई देता हो, दूसरे कान मे सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
- (ii) दोनों और मेर मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयत्व लगाकर अथवा बिना लगाए मुधर कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य।
- (5) बहते रहने वाला कान—आपरेशन किया गया/विना आपरेशन वाला।
- (6) नासा-पड़ की हड्डी संबन्धों/विस्पताओं (दोनों डिफार्मिटो) महित अथवा उससे रहित नाक की जीवर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा।
- (7) टोमिल्स और/अथवा स्वर्यत्व (लेन्सिं) की जीर्ण प्रदाहक दशा।
- (8) कान, नाक, गले (ई० एन० वी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर इदम्य ट्यूमर।
- (9) आस्टोकिलग्नासिम
- (i) किसी एक काम के मामान्य रूप और मेर मस्टायड कैविटी से मुताई देता हो, दूसरे कान मे सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
- (ii) दोनों और मेर मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयत्व लगाकर अथवा बिना लगाए मुधर कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य।
- तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप मे अयोग्य।
- (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
- (ii) यदि लक्षणों महित नामा पट अफसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप मे अयोग्य।
- (i) टासिल और अथवा स्वर्यत्व की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य।
- (ii) यदि आवाज मे अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो सो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (i) हल्का ट्यूमर—अस्थायी रूप मे अयोग्य।
- (ii) दंदम्य ट्यूमर—अयोग्य।
- श्रवण तंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष (i) यदि काम का जाज म बाधक न हो तो योग्य।
- (11) नेजल पीली (ii) भारी मादा मे हल्लाहटर हो तो अयोग्य। अस्थायी रूप मे अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने मे हक्कताता/हवलाती नही हो।
- (ग) उम्मीदवार दात अच्छी हालत मे है या नही और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नवलीदात लगे है या नही। (अच्छी तरह भरे हए दातो को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नही और : छाती काफी फैलती है या नही तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नही।
- (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नही।
- (ज) उसे रूपन्कर (हार्निया या फटन) है या नही।
- (क्ष) उसे हाईटोसील, बड़ी ईर्झ बेरिकोमिल, बेरिकाजिशिरा (वन) या बवासीर है या नही।
- (ज) उसके अगो, हाथो और पैरो की बनावट और विकास अच्छा है या नही और उसकी ग्रथिया भली भाति स्वतत्र रूप मे हिलती है या नही।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नही।
- (झ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नही।
- (ट) उसमे किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान है या नही जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारण टीके के निशान है या नही।
- (ड) उसे कोई सचारी (कम्प्यूनिकेबल) रोग है या नही।
- 12 दिल और फेफड़ो की किसी ऐसी विनक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलो मे नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।
- जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र मे अवश्य ही नोट किया जाए। मैडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक हृद्यूटी मे दूसरे बाधा पड़ने की संभावना है या नही।
- नोट --जब उम्मीदवारो को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता वा निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या म्टेडिंग मडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हे अपील करने के लिए कोई हक नही है, किन्तु यदि सरकार प्रथम बोर्ड की जाच मे निर्णय की गलती को सभावना के सम्बन्ध मे प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे मे तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के मामले एक अपील की उजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की

तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मैडिकल प्रमाणपत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इससे सम्बंधित मैडिकल प्रैक्टीशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य को पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाग्रन्थों के लिए मैडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्ग-दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेंडर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति का पञ्चिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह समस्ती नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दृबंधता (वाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले से अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृत करने की सलाह इस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लैंडी डाक्टर की मैडिकल बोर्ड के मद्दय के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताएं जो सकते हैं। किन्तु मैडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उन का विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहा मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने

वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (श्रौषध्याशल्या) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र हैं। यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होती चाहिए। नियुक्ति अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की तो ऐसे उम्मीदवारों की ओर आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनका योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपने मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी को और उस उम्मीदवार को विशेष रूप से घ्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और अन्य स्थान बतायें.....

2. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं, जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है। हां या नहीं में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताईए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरी बुखार, ग्रंथियां (ग्लैड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थृक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे, रमेटिंग, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

श्रथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दृष्टिनाश, जिसके कारण शैश्वा पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या संजिकल इलाज किया गया हो हुई है।

4. आपको चेचक आदि का आसम टीका कब लगा था।

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई।

6.—अपने परिवार से संबंध में निम्नसिखित ब्यौरा दें—

यदि पिता जीवित	मृत्यु के समय	आपके कितने आपके कि-
हो तो उनकी आयु	पिता की	भाई जीवित तर्जे भाइयों
और स्वास्थ्य की	आयु और	हैं, उनकी आयु की मृत्यु
अवस्था	मृत्यु का कारण	और स्वास्थ्य की तर्जे आयु
		अवस्था और मृत्यु कारण।

यदि माता जीवित	मृत्यु के समय	आपकी कितनी आपकी किसनी
हो तो उसकी आयु	माता की आयु बहने जीवित बहिनों की	
और स्वास्थ्य की	और मृत्यु का है उनकी आयु मृत्यु हो चुकी	
अवस्था	कारण	और स्वास्थ्य है। मृत्यु के
		की अवस्था समय उनकी
		आयु और
		मृत्यु का
		कारण

7. क्या इसके पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?
8. यदि, ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ में हो तो बताईये कि सेवा/सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
10. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ ?
11. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हों— मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जबाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये ।—

नोट :—उपर्युक्त कथन का यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से यह नियुक्त खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बार्धक्य निवृत्ति भत्ता (मुरएनुएशन अलाउंस)या उपदान (ग्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ब) ————— की शारीरिक परीक्षा की मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट ———

1. सामान्य टीका :—अच्छा बीच का कम पोषण : पतला औसत मोटा कद (जूते उतार कर) वजन अत्युत्प वजन कब था वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान :— छाती का घेर (1) पूरा सांस खीचने पर (2) पूरा सांस निकालने पर 2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी 3. नेत्र :— (1) कोई बीमारी (2) रसाधी (3) कलर विजन का दोष (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) (5) दृष्टि को पकड़ (जिउल एक्चिटी) () पंडिंस की जांच

दृष्टि की पकड़ चश्मे की विना चश्मे से चश्मे की पावर गोल सिलि

- | | | |
|--|---------|---|
| दूर की नजर | दा० ने० | सुनना |
| वा० ने० | वा० ने० | बाया कान |
| पास की नजर | बा० ने० | शहराईड |
| /हाईवरमंट्रीपिया (व्यक्त) | दा० ने० | दोनों की हालत |
| | वा० ने० | श्वसन तंत्र (रसिपरेटरि सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता है यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्यौरा दें । |
| 8. परिखंचरण तंत्र (स्वयुलरटी सिस्टम) | | |
| (क) हृदय : कोई शारीरिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति (रेट) : | | 8. परिखंचरण तंत्र (स्वयुलरटी सिस्टम) |
| 25 कुदाए जाने के बाद | | (क) हृदय : कोई शारीरिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति (रेट) : |
| कुदाए जाने के 2 मिनट बाद | | 25 कुदाए जाने के 2 मिनट बाद |
| (ख) ब्लड प्रैंशर | | (ख) ब्लड प्रैंशर |
| डायस्टालिक | | डायस्टालिक |
| 9. उदर (पेट) पैर : | | 9. उदर (पेट) पैर : प्रसव वेदना (टेलर-नेस) हार्निया |
| (क) बवा कर मालूम पड़ना जिगर | | (क) बवा कर मालूम पड़ना जिगर |
| तिलाली | | तिलाली |
| गुर्दे | | गुर्दे |
| ट्यूमर | | ट्यूमर |

(ख) बवासीर के मस्से—

विस्चुला—

10. तालिका तंत्र (नर्थ सिस्टम) तंत्र का या मानसिक अशक्तता का सकेत—

11. चाल तंत्र (लीकोमीटर सिस्टम) की विलक्षणता—

12. जनन मूत्र तंत्र (लेनिटी यूरिनरो सिस्टम)/डाइडीसील, वैरिकासील आदि का कोई सकेत मूत्र परीक्षा :—

(क) कैमा दिग्ग्राई पड़ता है

(ख) स्पेसिपिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) एल्युसेन

(झ) शब्दकर

(ड) कास्ट

(च) कौशिकाए (मैल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय बन सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और यदि वह 1 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम 10 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. क्या वह भारतीय बन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर ड्यूटी निभाने के लिये सभी तरह से योग्य पाया है?

नोट—बोर्ड को अपना परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण—

स्थान—

तारीख—

अध्यक्ष (चेयरमैन)—

सदस्य—

स्वदय—

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1975

सं० ए० ७(१४)-एन० ए०/७५—राष्ट्रपति ने डाकघर (सावधि जमा) नियमावली, 1970 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाये हैं अर्थात्:—

1. (1) ये नियम डाकघर (सावधि जमा) (तीसरा संशोधन) नियमावली, 1975 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. डाकघर (सावधि जमा) नियमावली, 1970 (जिस दसमे इसके पश्चात् उपर्युक्त नियमावली कहा गया है) के नियम 12 के उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम पढ़े

जायेंगे, अर्थात्:—

“(3) निम्नलिखित के संबंध में कोई नाम निर्देशन नहीं किया जायेगा :—

(क) ऐसे व्यक्ति द्वारा अथवा ऐसे व्यक्ति की ओर से खाता खोला गया हो जो नाबालिक अथवा विकिष्ट हो;

(ख) ऐसा खाता जो नियम 5 के नीचे की सारणी की (2) से (6) तक की मर्दों में से किसी मर्द के अन्तर्गत खोला गया हो।”

3. उपर्युक्त नियमावली के नियम 14 के उप-नियम (1) में दूसरे उपबन्ध के बाद निम्नलिखित और उपबन्ध जोड़े जायेंगे, अर्थात्:—

“यह शर्त भी होगी कि जिस खाते के सम्बन्ध में नाम-निर्देशन किया गया हो उसे अन्तरित करने की अनुमति तब तक नहीं दी जायगी जब तक खाताधारी नामनिर्देशन को रद्द नहीं कर देता।”

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० ए० ७(१५)-एन० ए०/७५(1):—राष्ट्रपति ने इसके द्वारा डाक घर बचत बैंक (बढ़ने वाली सावधी जमा) नियमावली, 1959 में और संशोधन कर निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को डाक घर बचत बैंक (बढ़ने वाली सावधी जमा) (चौथा संशोधन) नियमावली, 1975 कहा जायगा;

(2) ये पहली अक्टूबर, 1975 से लागू होंगे।

2. डाकघर (बढ़ने वाली सावधी जमा) नियमावली 1959 के नियम 11(ग) (1) के नीचे उपबन्ध में शब्द “छः” के स्थान पर शब्द “दस” पढ़ा जाय।

सं० ए० ७(१५)-एन० ए०/७५ (ii):—राष्ट्रपति ने इसके द्वारा डाक घर (आवर्ती जमा) नियमावली, 1970, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की 28 फरवरी, 1970 की अधिसंचयन सं० ए० ३(8) एन० ए०/७० में प्रकाशित की गई थी, उसमें और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को डाक घर (आवर्ती जमा) (चौथा संशोधन) नियमावली, 1975 कहा जायगा।

(2) ये नियम पहली अक्टूबर, 1975 से लागू होंगे।

2. डाकघर (आवर्ती जमा) नियमावली, 1970 के नियम 12 (3) (क) के नीचे के उपबन्ध में शब्द ‘छः’ के स्थान पर शब्द ‘दस’ पढ़ा जाय।

ए० वी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

संकल्प

स० वी०-24027(5)/74-डब्ल्य० वी०—श्रम मंत्रालय ने श्रमोने संकल्प संख्या वी०-24027(5)/74-डब्ल्य० वी०, दिनांक 17 जन, 1975 के द्वारा उन मर्दों पत्तनी, जिनके पत्तन-न्यास/पत्तनश्रायक्त गोदी श्रमिक बोर्ड हैं जो जहाजरानी एवं परिवहन मंत्रालय के संकल्प संख्या वी० ए०/ओ०/94/74, दिनांक 11 दिसम्बर, 1974 के द्वारा स्थापित किए गए हैं, की पत्तन और गोदी श्रमिक सम्बन्धी मजदूरी पुनरीक्षण समिति से अनुरोध किया है कि वे श्रमोने पर्यवलोकन में उन सभी वर्गों के श्रमिकों को शामिल करें, जो पत्तन और गोदी श्रमिकों सम्बन्धी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिपारिशों के अन्तर्गत आए हुए थे, केवल ऐसे श्रमिकों को छोड़कर जिनको मजदूरी बोर्ड की सिपारिशों की रूप रेखा से बाहर किन्हीं अन्य

व्यवस्थाओं के अन्तर्गत मजदूरी में बृद्धि दी गई है या जिनके बेतन मान/मजदूरी ढांचों में संशोधन किया गया है। समिति ने तदनुसार इस मामले की जांच की है और इस विषय पर कुछ सिफारिशें की हैं, जो संलग्न हैं।

2. सरकार ने समिति की सिफारिशों पर विचार किया है और उन्हें स्वीकार करने और सम्बन्धित नियोजकों से उन्हें शीघ्र कार्यान्वयन करने का अनुरोध करने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश है कि संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजी जाए।

यह भी आदेश है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में जन-साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

हंस राज छावड़ा,
उप-सचिव

— — —

श्रम मंत्रालय के संकल्प संख्या वी-24027(5)/74-डब्ल्यू० बी०, तारीख 17 जून, 1975, के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के वर्गों को अन्तरिम सहायता के बारे में पत्तन और गोदी श्रमिक सम्बन्धी मजदूरी पुनरीक्षा समिति की रिपोर्ट।

भारत सरकार के जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय ने अपने संकल्प संख्या वी० एल० ओ०/९४/७४, तारीख 11 दिसम्बर, 1974 द्वारा यह मजदूरी पुनरीक्षा समिति स्थापित की थी ताकि वह इस बात की जांच करे और सिफारिश करे कि मुख्य पत्तनों में पत्तन और गोदी श्रमिकों के विनियोग वर्गों के वर्तमान मजदूरी ढांचे में क्या परिवर्तन आवश्यक है। पूर्वोक्त संकल्प के पैरा 3 (छ) में यह उल्लेख किया गया था कि यह समिति श्रमिकों के ऐसे अन्य वर्गों, यदि इन वर्गों की ओर से अनुरोध प्राप्त होने पर श्रम मंत्रालय इन मामलों को निर्देशित करे तो उनके मामलों की जांच भी करे जो पत्तन और गोदी श्रमिक संबंधी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड 1969 के अन्तर्गत तो आते हैं, परन्तु जिन्हे उस में शामिल नहीं किया गया। श्रम मंत्रालय ने अपने संकल्प संख्या वी-24027(5)/74-डब्ल्यू० बी०, तारीख 17 जून, 1975 द्वारा उक्त संकल्प के पैरा-2 में निम्नलिखित व्यवस्था की:—

“पत्तन और गोदी श्रमिक संबंधी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड के अन्तर्गत आने वाले श्रमिकों के कुछ ऐसे वर्गों, जो मजदूरी पुनरीक्षा समिति की परिधि में शामिल नहीं किए गए, से और इनकी ओर से पहले से प्राप्त हुई मांगों और शामिल न

किए गए वर्गों के बायं श्रमिकों से और इनकी ओर से प्राप्त हो सकने वाली ऐसी मांगों की संभावना को ध्यान में रखते हुए, श्रम मंत्रालय ने मजदूरी पुनरीक्षा समिति से यह अनुरोध करने का निर्णय किया है कि वे अपनी परिधि में उन सभी वर्गों के श्रमिकों को शामिल करें, जो पत्तन और गोदी श्रमिक सम्बन्धी केन्द्रीय बोर्ड की सिफारिशों के अन्तर्गत आए हुए थे, केवल ऐसे श्रमिकों को छोड़कर जिनको मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों की रूप रेखा से बाहर किन्हीं अन्य व्यवस्थाओं के अन्तर्गत मजदूरी में बृद्धि दी गई है या जिनके बेतनमानों/मजदूरी ढांचों में संशोधन किया गया है।

2. इस समिति ने 8 और 9 अगस्त, 1975 को अपनी बैठक में कर्मचारियों के उन वर्गों को अन्तरिम सहायता प्रदान करने के प्रश्न पर विचार किया था जिन्हें अब श्रम मंत्रालय के उक्त संकल्प द्वारा इस समिति की परिधि में लाया गया है। जहुरज़ रानी और परिवहन मंत्रालय द्वारा मूल रूप से यथा प्रस्तावित समिति के विचारार्थ विषयों में शामिल किए पत्तन और गोदियों में कर्मचारियों के वर्गों को अन्तरिम सहायता देने की सिफारिश करते हुए, जिन सम्बन्धी मामलों को ध्यान में रखा गया था, उन सब पर विचार कर चुकने के बाद, समिति ने यह अनुभव किया कि श्रम मंत्रालय के संकल्प द्वारा कर्मचारियों के जिन वर्गों को अब शामिल किया गया है, उन्हें उसी तरीके से अन्तरिम सहायता दी जानी चाहिए जैसी कि इससे पहले सिफारिश की गई थी। इसलिए, यह समिति सिफारिश करती है कि इसकी 15 जनवरी, 1975 की रिपोर्ट में समाविष्ट अन्तरिम सहायता संबंधी इसके प्रस्तावों, जिन्हें भारत सरकार के जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय ने अन्तिम रूप से स्वीकार किया था और जो पत्तन व्यास और गोदी श्रमिक बोर्ड के अध्यक्ष को सम्बोधित अपने पत्र संख्या वी० एल० ओ०/९/७५, तारीख 26 फरवरी, 1975 में सम्मिलित है, श्रमिकों के ऐसे सभी वर्गों पर भी लागू किया जाए जिन पर पत्तन और गोदी श्रमिक संबंधी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशें लागू होती थीं, परन्तु श्रमिकों के ऐसे वर्गों को छोड़ दिया जाए, जिन्हें मजदूरी बोर्ड की सफारिशों की रूप रेखा से बाहर की किन्हीं व्यवस्थाओं के अन्तर्गत मजदूरी में बृद्धि दी गई है या जिनके बेतनमानों/मजदूरी ढांचों में संशोधन किया गया है।

ह०/-

(वी० एस० शंकरन)

सदस्य

ह०/-

(वी० वी० महता)

सदस्य

ह०/-

(वी० एन० लोकुर)

अध्यक्ष

ह०/-

टी० आर० मल्होत्रा,

सचिव

बम्बई, 9 अगस्त 1975

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 13th June, 1974 a raiding party was sent to village Kamalpur of district Burdwan to work out information about presence of some notorious extremists. The village was cordoned off in the early hours of the morning. Constable Darwan Singh, who was member of this party, was asked to cover a vulnerable point near the tank of the village. Taking advantage of the darkness, the desperados tried to escape. They made a surprise appearance on the eastern side of the village tank where Constable Darwan Singh was on guard. Inspite of the darkness Constable Darwan Singh maintained extreme vigilence and timely detected the presence of some persons

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th December 1975

No. 116-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police:—

Name and rank of the officer

Shri Darwan Singh,
Constable No. 869,
State Armed Police,
1st Battalion,
Burdwan District,
(West Bengal)

(Deceased)

behind the bush. He challenged the miscreants and alerted his colleagues who immediately took up position. In the ensuing exchange of fire three extremists were shot dead and large quantities of arms and ammunition were recovered. But Constable Darwan Singh was hit by bullets fired by the miscreants and succumbed to injuries.

In this encounter Shri Darwan Singh exhibited conspicuous gallantry and laid down his life in the performance of his duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th June, 1974.

No. 117-Pres./75.—The President is pleased to award the Bar to Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Raghunandan Sharma,
Inspector Police,
Ambah, Morena District,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 8th December, 1973, Shri Raghunandan Sharma, Inspector who had been posted in Ambah area of Morena District (Madhya Pradesh) for anti-dacoity work, organised a raid on the hide out of the dacoits, in village Rapat-ka-Pura. The Police party encircled the village and Shri Raghunandan Sharma along with Shri Ramakant Tiwari, Sub-Inspector of Police, crawled towards the house in which the dacoits were suspected to be hiding. On being challenged to surrender the dacoits opened fire which was returned by the Police. In the encounter, Shri Raghunandan Sharma was hit in the neck. Though seriously wounded, he held on to his position firmly and continued firing on the dacoits till Shri Ramakant Tiwari seeing him injured & in need of help crawled towards him and gave him first aid.

In this encounter Shri Raghunandan Sharma exhibited exemplary courage, fine leadership and a high sense of devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th December, 1973.

No. 118-Pres./75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Vasudeo Sharma,
Circle Inspector Police,
Jora, District Morena,
(Madhya Pradesh).

Shri Ramakant Tiwari,
Sub-Inspector of Police,
Morena District,
(Madhya Pradesh).

Shri Banke Singh,
Head Constable No. 408,
A Company, 5th Battalion,
Special Armed Force,
Morena District,
(Madhya Pradesh).

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 8th December, 1973 a police party was sent to village Rapat-ka-pura, Police Station Jora to work on an information received about the presence of a dacoit gang in the village. The Police party which was led by the Superintendent of Police encircled the village. Sub-Inspector Ramakant Tiwari along with a detachment advanced towards the

house in which the gang had sought refuge and challenged the suspects to surrender. Instead the gang opened fire which was returned by the Police. In the exchange Shri Raghunandan Sharma, Circle Inspector was injured. Unmindful of the risk Shri Ramakant Tiwari crawled towards the injured Circle Inspector and gave him first-aid. He then rejoined the party in the firing. In the encounter two dacoits Balwant Kacchi and Ramjan Khan were shot down and two weapons recovered.

The other dacoits tried to escape through a nullah. Shri Vasudeo Sharma had laid an ambush there. Seeing themselves in a hopeless situation, the dacoits opened fire and an encounter ensued. Shri Sharma enthused his men and set up a personal example before them, by himself crawling to advantage position and challenging the dacoits to surrender. From this position he was able to shoot down a dacoit.

Head Constable Banke Singh also a member of the Police party was deployed with two other police personnel at a high hillock position adjoining the village to block the escape route of the dacoits. Three dacoits who had taken shelter in a nullah were firing unobtrusively. On seeing this, Head Constable Banke Singh and his associates shifted their position. They were, however, detected and fired upon by the dacoits. Inspite of the danger to which they were exposed, the Police party continued crawling forward. On reaching a vantage position, they challenged the dacoits to surrender. This, however, did not produce any effect on the dacoits. Head Constable Banke Singh crawled back to the earlier position and was able to shoot down dacoit leader Shrilal Kachhi and his associate Ramji Chamar.

In this encounter Shri Vasudeo Sharma, Shri Ramakant Tiwari and Shri Banke Singh exhibited conspicuous gallantry and a high sense of devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th December, 1973.

No. 119-Pres./75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Siddheswar Singh, (Deceased)
Constable No. 123,
District Jalpaiguri,
West Bengal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 21st March, 1975, the Officer-in-charge of Kumargram Police Station went to village Paschim Pakriguri to apprehend an armed gang of dacoits who were reported to be hiding in that village with the intention of committing a dacoity. Shri Siddheswar Singh Constable was a member of the Police party. After deploying men at various points, the Officer-in-charge himself led the remaining police party towards a hut where the dacoits were suspected to be hiding and broke open its door. The Police Party was, however, detected and fired upon by the dacoits. On hearing the gun-shots Constable Siddheswar Singh who was keeping guard outside the hut, in utter disregard of his personal safety, rushed forward in order to render help to his officer. In doing so he received a gun shot and died instantaneously. In the interregnum his fire as a result of which one dacoit was killed and another was arrested while other members of the gang fled away under cover of darkness.

In this encounter Constable Siddheswar Singh exhibited exemplary courage and laid down his life in the performance of his duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st March, 1975.

No. 120-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Nagaland Police.—

Name and rank of the officer

Shri Nyamo Lotha,
ABSI No. 50014,
Nagaland Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 23rd October, 1973 Phogomi Post manned by a unit under the charge of ABSI Nyamo Lotha was attacked by heavily armed hostiles with foreign automatic rifles, rocket launchers and other sophisticated weapons. The attack lasted for about 40 minutes. Though outnumbered, the post retaliated vigorously and were able to repulse the attack causing injuries to 6 and killing 2 undergrounds. Shri Nyamo Lotha, the Post Commander, in utter disregard to his personal safety kept constantly moving from bunker to bunker guiding his men and keeping their morale high.

In this encounter Shri Nyamo Lotha, ABSI exhibited conspicuous bravery, exemplary leadership and a high sense of devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd October, 1973.

No. 121-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Nagaland Police :—

Name and rank of the officer

Shri Putoi Sema,
ABSI No. 50023,
Nagaland Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 1st December, 1973, after collecting information regarding the presence of some undergrounds at Heholimi village, ABSI Putoi Sema took a patrol party and surrounded the undergrounds who were taking shelter in an old hut. On seeing the police party, the undergrounds tried to escape. They were given hot chase and an encounter ensued in which the leader of the undergrounds was killed and some documents recovered from him.

In this encounter Shri Putoi Sema exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st December, 1973.

No. 122-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force :—

Names and ranks of the officers

Shri M. L. Jairath,
Deputy Commandant,
80th Battalion,
Border Security Force.

Shri Bishnu Prasad Jaishi,
Naik,
80th Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 6th March 1975 Shri Bishnu Prasad Jaishi was sent to village Luangmuil to find out whereabouts of a gang of hostiles responsible for committing gruesome murder of three top police officials in Aizawl on 13th January, 1975. The hostiles were suspected to be hiding in the village. In disregard of the risk involved in such a mission Shri Jaishi went to the

village and located the house where one of the hostiles was suspected to be hiding. While he was returning, he was detained by two hostiles, who charged him to be a CID agent and wanted to kill him. But Shri Jaishi faced the hostiles courageously and remained undeterred and got himself released tactfully.

In order to avoid any delay, Shri M. L. Jairath, Deputy Commandant and Shri Sant Lal, Assistant Commandant decided to go to the village Luangmuil without waiting for the return of Shri Jaishi. Near the village they came across a hostile. On being challenged, the suspect started running up a nearby mound. Shri Sant Lal rushed to the top of the mound, while Shri Jairath without caring for the risk involved ran after the hostile along the track with a view to nab him in case he came towards the track. The hostile was eventually shot dead by Assistant Commandant Sant Lal.

In this encounter Shri M. L. Jairath and Shri Bishnu Prasad Jaishi exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th March 1975.

No. 123-Pres/75.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name and rank of the officer

Shri Sant Lal,
Assistant Commandant,
84, Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 6th March, 1975 Naik Bishnu Prasad Jaishi was sent to village Luangmuil to find out the whereabouts of a gang of hostiles responsible for committing the gruesome murder of three top Police officials in Aizawl on 13th January, 1975. The hostiles were suspected to be hiding in the village. In disregard of the risk involved in such a mission Shri Jaishi went to the village and located the house where the hostiles were suspected to be hiding. On his return he was detained by two hostiles but Shri Jaishi faced the hostiles courageously and got himself released tactfully.

Without losing time in waiting for the return of Shri Jaishi, Shri M. L. Jairath, Deputy Commandant and Shri Sant Lal, Assistant Commandant advanced towards village Luangmuil. Near the village, they came across a hostile. On being challenged the suspect started running up a nearby mound. In disregard of his personal safety Shri Sant Lal rushed up the mound while Shri Jairath ran after the hostile along the track. There was exchange of fire between the Border Security Force party and the hostile. In the encounter Shri Sant Lal was wounded but without caring for his injuries he grappled with the hostile. Both Shri Sant Lal and the hostile rolled down the hill. In the course of the scuffle the hostile got upon Shri Sant Lal and tried to shoot him in the neck but Shri Sant Lal remaining cool and undeterred eventually shot the hostile leader dead.

In this encounter Shri Sant Lal exhibited conspicuous gallantry, courage, leadership and a high sense of devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th March, 1975.

No. 124-Pres/75.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Kali Prasad Chakrabarti,
Constable No. K/458,
District Armed Police,
Hooghly (West Bengal).

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 13th June, 1974, two police parties were sent to village Kamalpur to work out some information about the hideouts of some hardcore extremists who had committed a series of murders, arson and gunsnatching. At an appropriate time the police party cordoned the area. Constable Kali Prosad Chakrabarti was directed to cover a vulnerable point near a tank on the outskirts of the village. After some time some extremists armed with rifles and muskets made a surprise appearance behind a bush on the eastern side of the tank. The constable without losing time in summoning other colleagues took up position with his rifles and started advancing towards the bush behind which the extremists were hiding. Sensing the presence of the Constable, the extremists started firing. Though outnumbered, the Constable remained undeterred and returned the fire single-handed. He was, however, hit by a bullet and died on the spot. Alerted by the firing the other members of the police party also opened fire. As a result three extremists were killed and a large quantity of arms and ammunition was recovered.

In this encounter Shri Kali Prosad Chakrabarti exhibited admirable courage and unflinching devotion to duty and laid down his life in the highest traditions of the Police.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th June, 1974.

K. BALACHANDRAN, Secy.

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

RULES

New Delhi, the 27th December 1975

No. 17011/3/75-AIS(IV).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1976 for the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or

- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 26 years on 1st July, 1976 i.e. he must have been born not earlier than 2nd July, 1950 and not later than 1st July, 1956.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate was a resident of the former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu before the 20th day of December, 1961;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

- (xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology or a Bachelor's Degree in Agriculture or in Engineering of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A, subject to the condition stipulated therein.

NOTE I—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE II—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE III—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or suppressing material information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means in the examination hall, or

(viii) misbehaving in the examination hall, or

(ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for a interview for a personality test.

13. A candidate who, on the results of the written part of the examination qualifies for the Personality Test will be separately asked to communicate to the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) the order of preferences in which he would like to be considered for allotment to various States.

14. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the Standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pak hosti-

lities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours in the case of male candidates and 14 Kilometres in 4 hours for female candidates.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing; exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

R. L. AGGARWAL
Under Secy.

APPENDIX-I

List of Universities approved by the Government of India (vide Rule 6)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The University of Sind.

UNIVERSITIES IN BANGLADESH

The Dacca University.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 6)

*1. French examination "Propédeutique."

*2. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.

*3. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.

*4. Higher Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student."

*5. Associateship or Fellowship of the Indian Institute of Science, Bangalore.

*6. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.Sc.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.

*7. B.A./B.Sc. and B.A. (Hons.)/B.Sc. (Hons.) degrees of the University of Kent at Canterbury, England.

8. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.

9. Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India).

10. Hons. Diploma in Civil or Mechanical Engineering of the Loughborough College, Leicestershire, provided that a candidate has passed the common preliminary examination or has been exempted therefrom.

*NOTE.—Qualifications 1 to 7 will not be acceptable unless the candidate has passed the examination with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology.

APPENDIX II

SECTION 1

Plan of the Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises :—

(A) Written examination in—

(i) two compulsory subjects viz., General English and General Knowledge [See Sub-Section (a) of Section II below]—Maximum marks : 300

(ii) a selection from the optional subjects set up in Sub-Section (b) of Section II below, subject to the provisions of that Sub-Section candidates may take any two of those subjects—Maximum marks : 400

(B) Interview for Personality Test (vide Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 200.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subjects vide Sub-Section A (i) of Section I above :—

	Maximum marks
(1) General English	150
(2) General Knowledge	150

(b) Optional subjects vide Sub-Section A (ii) of Section I above :—

Subject	Code No.	Maximum Marks
Agriculture	01	200
Botany	02	200
Chemistry	03	200
Civil Engineering	04	200
Geology	05	200
Agriculture Engineering	06	200
Chemical Engineering	07	200
Mathematics	09	200
Mechanical Engineering	10	200
Physics	11	200
Zoology	13	200

Provided that the following restrictions shall apply to the above subjects :

- (i) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 01 and 06;
- (ii) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 03 and 07.

NOTE.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-Sections (a) and (b) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. If a candidate's handwriting is not easily legible a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

8. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science/Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The papers will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

AGRICULTURE—(Code—01)

Candidates will be required to answer questions from Sections (A) and (B) or Sections (A) and (C) below.

(A) Agricultural Economics

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income, comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production, marketing, labour, credit etc.

Nature of study of farm management, its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming—determining factors. Planning for profitable use of land, water labour and equipment methods of measuring farm efficiency, nature and purpose of farm book-keeping, farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) Agronomy

Crop Production—Detailed study of KHARI crops; Paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sun-hemp, Moong, Urd with reference to their introduction distribution seedbed preparation improved varieties sowing and seed-rate inter-culture, harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops; Wheat, Barley, Gram, Mustard, Sugarcane, Tobacco, Berseem, with reference to their origin, history, distribution soil and climate requirements, seedbed preparation improved varieties, sowing and seed-rate interculture, harvesting storing physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India. Injurious effects and losses caused by weeds, chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principles of Irrigation and Drainage—Necessity and sources of irrigation water, water requirements of crops, common water lifts, duty of water prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantage and limitations of each method. Measurement of irrigation water. Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water methods of drainage.

(C) Soil Science & Soil Conservation

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange capacity, base saturation percentage ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter its decomposition and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation and reclamation. Effect of organic manures green manures and fertilizers on soil properties. Properties of common nitrogenous phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space, soil structure, soil water, types of soil water, its retention movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil air and its importance. Soil structure its forms and their effect on the physio-chemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying Earth's crust: soil forming rocks and minerals their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals factors and processes of soil formation great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation—Soil erosion, factors affecting erosion, soil conservation soil properties in relation to agronomic and engineering practices land drainage needs and practices for agricultural lands, land use classification, Soil conservation, planning and programme.

BOTANY—(Code—02)

1. Survey of the Plant Kingdom—Difference between animals and plants: Characteristics of living organism: Unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. Morphology—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cells.

(ii) Multicellular plants—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history.*—Of at least one members of the following categories of plants.—Bacteria, Cyanophyceae Chlorophyceae Pheophyceae. Rhodophyceae Phycomycetes Ascomycetes. Basidiomycetes. Liverworts. Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy.*—Principles of classification: principal systems of classification of angiosperms; distinctive features and economic importance of the following families:—Gramineae. Scitaminac. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae. Moraceae. Loranthaceae. Magnoliaceae. Lauraceae. Cruciferae. Rosaceae. Leguminosae. Rutaceae. Meliaceae. Euphorbiaceae. Anacardiaceae. Malvaceae. Apocynaceae. Asclepiadaceae. Dipterocarpaceae. Myrtaceae. Umbelliferae. Solanaceae. Rubiaceae. Cucurbitaceae. Verbenaceae and Composite.

5. *Plant Physiology.*—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: Plant/animal relation, symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. *Plant Pathology.*—Cause and cure of plant diseases; Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology.*—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*—Cytology, Genetics, plant, breeding Mendelism, hybrid vigour, Mutation, Evolution.

9. *Economic Botany.*—Economic uses of plants, esp. flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugars and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber drugs and essential oils.

10. *History of Botany.*—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

CHEMISTRY—(Code—03)

1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle, Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity, Nuclear fission and fusion.

Electronic Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and Oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Laws and Bronsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) of important elements.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases: Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of : Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic Chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, aldehydes, Ketones, acids, halides, esters, ethers, acids, anhydrides, chlorides and amides. Monobasic hydroxy, Ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates, classification and general reactions. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry: Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds. Benzoic, salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonnic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazone compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio or C_p/C_v .

Thermodynamics: The first law of the thermodynamics, Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy, Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions, Osmotic pressure, lowering of vapour pressures, depression of freezing point, elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria, Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry: Faraday's laws of electrolysis; conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogenion concentration; buffer action; theory of indicators.

Reversible cells. Standard, hydrogen and calomel electrodes. Electrode and red-ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics: Molecularity and order of reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule; Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids: General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number. Adsorption.

Catalysis: Homogeneous and heterogeneous catalysis. Promoters. Poisoning.

Photochemistry: Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

CIVIL ENGINEERING (Code-04)

1. Building material and Properties and Strength of materials

Building materials—Timber, stone, brick, lime, tile, sand, surkhi, mortar and concrete, metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.

Stresses and strains—Hooke's law—Bending. Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary engineering—

Construction—Brick and stone masonry; walls floors and roofs, staircases, carpentry in wooden floors, roofs, ceiling, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and varnishing etc.)

Soil mechanics—Soils and their investigations. Bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principles units of measurement; Taking out quantities for buildings and preparation of abstract of costs—specifications and data sheets for important items.

Water supply—Sources of water, Standards of purity, methods of purification, layout of distribution system, pumps and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenances, septic tanks, Imhoff tanks, sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges—

Survey and alignment—Highway materials and their placements Principles of design—width of foundation and pavement, camber, gradient curves and super-elevation—Retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam road bituminous surfaces and concrete roads. Drainage of roads: Bridges—Types, economical spans, I.R.C. loadings, designing superstructure of small span bridges—Principles of designing foundation of abutments and pier, of bridges, pile and well foundations.

Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering—

Steel structures—Permissible stresses, Design of beams simple and built-up columns and simple roof trusses and girders—column bases and grillages for axially and eccentrically loaded columns—Bolted; riveted and welded connections.

R.C.C. structures—Specifications of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads permissible stresses in R.C.C. members subject to direct and bending stresses—Design of simply supported overhanging and cantilever beams, rectangular and Tee beams in floors, roofs and lintels—axially loaded columns; their bases.

GEOLOGY (Code—05)

1. General Geology :

Origin, age and interior of the Earth different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types their classification and soil groups of India; Physiographic and sub-divisions of India. Vegetation and topography Volcanoes, earthquakes, mountains diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals; with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy :

Principles of stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological records. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

AGRICULTURAL ENGINEERING—(Code—06)

1. Soil and Water Conservation.—Definition and scope of soil conservation; Mechanics and types of erosion their causes, Hydrologic cycle rainfall and runoff—factors affecting them and their measurements, stream gauging—Evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulics. Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterway Principles of flood control. Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream bank erosion and its control Wind erosion and its control. Principles of watershed management.

Investigation and planning in River Valley projects.

2. Irrigation and drainage.—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water—Assumptive use. Water requirements of crops. Measurement and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, wires and flumes. Levelling and layout of irrigation systems. Design and construction of canals, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes, structures and road crossings. Occurrence of ground water. Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development. Testing of wells.

Drainage.—Definition—causes of water logging. Methods of drainage. Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. Building materials—Kinds of building materials.—their properties. Timber, brickwork and R. C. construction. Design of columns, beams roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm houses, animals shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

4. Farm powers and machinery—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating cooling and governing systems of IC engines. Different types of tractors Chassis transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery interculture tools and machinery. Plant protection equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. Electricity and rural electrification.—Power generation and transmission; Distribution of electricity for rural electrification; A. C. and D. C. circuits.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types selection, installation and maintenance.

CHEMICAL ENGINEERING—(Code—07)

1. Transport phenomena : (Under steady state conditions) :

- (a) Momentum transfer : (i) Different patterns of flow and their criteria.
- (ii) Velocity profile.
- (iii) Filtration sedimentation; centrifuge.
- (iv) Flow of solids through fluids.

(b) Heat transfer : Different modes of heat transfer: Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups, used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan-Boltzman law.

Emmissivity and absorptivity. Geometrical Shap factor.

Heat load of furnaces—calculation.

(c) *Mass transfer*: Diffusion in gases and liquids. Absorption, desorption humidification, dehumidification drying and distillation. Analogy between momentum, heat and mass and transfer.

2. Thermodynamics :

(a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.

(b) Determination of internal energy, entropy enthalpy and free energy—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory of mixing, various mixers for liquid—liquid solid, liquid and solid—solid.

3. Reaction engineering :

(i) Kinetics : Homogeneous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions.
Batch and flows—Reactors and their design.

(ii) Catalysis—Choice of catalysis;
Preparations;
Mechanics of catalysis based upon mechanism.

4 Transportation.—Storage and transport of materials and in particular powders, resins volatile and non-volatile liquids emulsions and dispersions, pumps compressors and blowers Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid—liquid; solid-liquid; solid—solid.

5 Materials—Factors that determine choice of materials of construction in chemical industries.—Metals and alloys, ceramic, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. Instrumentation and process control—Mechanical, hydraulic, pneumatic, thermal, optical magnetic, electrical and electronic instruments. Controls and control systems. Automation.

MATHEMATICS—(Code—09)

PART A

Algebra :

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function, equivalence relation,

Numbers : integers, rational numbers, real numbers (statement of properties), complex numbers, algebra of complex numbers.

Group, sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups, Lagrange's theorem, isomorphism.

De-Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations : Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equation, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations, location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices : algebra of matrices, determinants—simple properties of determinants, product of determinants, adjoint of a matrix, inversion of matrices, rank of a matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities : arithmetic and geometric means, Cauchy-Schwarz inequality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two and three dimensions :

Analytic Geometry of two dimensions—Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, Ellipse, parabola.

hyperbola (referred to principal axes). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions.—Planes, straight lines and spheres (Cartesian Co-ordinates only).

Calculus and Differential Equation :

Differential calculus :—Concept of limit; continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation, Rolle's theorem, Mean value theorem, Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic, trigonometrical applications such as tangent, normal, subtangent, Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian coordinates only). envelopes. Partial differentiation, Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus : Standard methods of integration, Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of Integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface areas of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergence of sequences and series, test of convergence of series with positive terms. Ratio, root and Gauss tests. Alternating series.

Differential Equations : Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, Simple harmonic motion, Simple pendulum and the like

PART B

Mechanics : (Vector methods may be used)

Statics.—Representation of a force, parallelogram of forces, composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Triangle of forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces Centre of gravity of simple bodies. Friction—static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane, simple problems, simple machines (lever, systems of pulleys, gear). Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics—displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

Astronomy :

Spherical Trigonometry.—Sine and cosine formulae, properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy.—Celestial sphere, coordinate systems and their conversion. Diurnal motion, Sidereal and solar times, mean solar time, local and standard times, equation of time. Rising and setting of the sun and stars, dip of the horizon. Astronomical refraction. Twilight. Parallax, aberration, procession and nutation. Kepler's laws. Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon, phases of the moon. Astronomical Instruments—Sextant, transit instrument.

Statistics :

Probability : Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability, Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions : Binomial—definition, mean and variance skewness, limiting form, simple applications; Poisson—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson distribution to given data; Normal—simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution: Correlation, linear regression involving two variable fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distributions and simple tests of hypothesis: Random sample, Statistic. Sampling distribution and standard error. Simple applications of the normal, t, chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

NOTE:—Candidates will be required to answer compulsorily from Part A of the syllabus one question on each of the three topics viz. (1) Algebra (2) Analytic Geometry of two and three dimensions and (3) Calculus and Differential Equation. From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer at least one question on any one of the three topics viz. (1) Mechanics (2) Astronomy and (3) Statistics.

MECHANICAL ENGINEERING—(Code—10)

1. Strength of Materials

Stresses and strains—Hooke's Law and relations between elastic constants—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment, shear force and deflection in simply supported overhanging and cantilever beams for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts—springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses, and combined bending and torsion.

Elastic Theory of failure—Stress concentration and fatigue.

2. Theory of Machines and Machine Designs

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed-variations of fly-wheels. Governors. Power transmitted by belt drives—Friction and lubrication of journals and thrust bearings, ball and roller bearings. Design of fastenings and locking devices—Proportions for riveted, bolted and welded joints and fastenings.

3. Applied Thermodynamics.

Fuels Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas—Laws—Expansion and compression of gases—Air compressors.

Ideal and actual engine cycles—Use of temperature—entropy, heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

4. Simple Steam engines and Internal combustion engines.

Indicators and Indicator Diagrams—Mechanical, Thermal, air standard and actual efficiencies—General construction—Engine trial and heat balance.

4. Production Engineering

Common machine tools—Working principles and design features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—Milling machines—Grinding machines—Jigs and fixtures. Metal cutting tools—Tools materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive wheels.

Welding—Weldability and different welding processes—Testing of welds.

Forming process—moulding, casting forging, rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits. Measurement of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion-time data—Work sampling—Job evaluation Wages and incentives—Planning, control, Plant layout.

5. Fluid Mechanics and Water power

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Design principles, applications and characteristic curves; Principles of similarity; Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

PHYSICS—(Code—11)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Moment of inertia, work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics: Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion; Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity. Surface tension; Viscosity of liquids, Rotary pump; McLeod guage.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations; Wave motion, Doppler effect; Velocity of sound waves; Effect of pressure, temperature, humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance; Beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture; Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect; Liquification of gases; Heat engines; Carnot's theorem Laws, of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; Interference; simple interferometer; Diffraction; Diffraction Grating; Polarisation of light; Elements of spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases, Gauss theorem and simple applications; Electrometers, Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

ZOOLOGY—(Code—13)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure, habits and life-history of the following non-chordate types :

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects. Bionomics and life-history of the following insects; termite-cust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordata up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types :

Branchiostoma; Scolodon; frog; Uromastix or any other lizard (Skeleton of Varanus); pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit, Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis, metamorphosis; alternation of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game Birds.

PART B

Personality Test.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service. The candidate will be expected to have taken an intelligent interests not only in his subject of academic study but also in events which are happening around him both within and without his own State or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should arouse the curiosity of well educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity critical, powers of observation and assimilation, balance of judgement and alertness of mind initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion, mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

APPENDIX III

(*Vide Rule 20*)

Brief particulars relating to the Indian Forest Service (*vide Rule 20*).

(a) Appointments will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or, may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(f) Scales of Pay :—
Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (15 years).

Senior Scale—Rs. 1100 (6th year or under)—40—1100—50/2—1250.

Conservator of Forests—Rs. 1300—60—1600—100—1800.

Deputy Conservator of Forests (in States where such a post exists)—Rs. 2000—125/2—2250.

Additional Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists)—Rs. 2250—125/2—2500.

Chief Conservator of Forests—Rs. 2500—125/2—2750,

Deputy Inspector General of Forests—Rs. 2000—125/2—2250 plus a special pay of Rs. 300 p.m.

Inspector General of Forests and ex-officio Additional Secretary to the Government of India—Rs. 3000—100—3500.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the Junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(*vide Rule 17*)

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the require physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be admissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Walking test : The male candidates will be required to qualify in a walking test of 25 kilometres to be completed in 4 hours and female candidates 14 kilometres to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Govt. of India so as to synchronise with the sitting of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever co-relation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The Minimum standard for height and chest girth with which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Height	Chest girth (fully expanded)	Expansion
163 cms	84 cms.	5 cms. (for men)
150 cms	79 cms.	5 cms. (for women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower.

4 The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttock and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84·89, 86·93·5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as to render, or likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision	Near Vision
Better eye Worse eye (Corrected Vision)	Better eye Worse eye (Corrected Vision)
6/9 or 6/6	6/12 J.I. J.II 6/9

NOTE :—

(1) *Fundus Examination.*—In every case of Myopia. Fundus Examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed -4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate is found unfit on grounds of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfills the visual requirements otherwise.

(2) *Colour Vision.*—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate.	16 feet
2. Size of aperture	1·3 mm.
3. Time of exposure	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and suitable lantern like Edige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

(3) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) *Night Blindness.*—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity.*—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma.*—Trachoma, unless complicated, shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint.*—As the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons.*—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

8. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard in increased intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot

be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|---|--|
| <p>(1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal.</p> <p>(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.</p> <p>(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.</p> <p>(4) Ears with Mastoid cavity</p> <p>(5) Persistently discharging ear</p> <p>(6) Chronic inflammatory/altering conditions of nose</p> <p>(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx</p> <p>(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.</p> <p>(9) Otosclerosis</p> <p>(10) Congenital defects of ear,</p> <p>(11) Nasal Poly</p> | <p>Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.</p> <p>Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.</p> <p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.</p> <p>(iii) Central perforation in both ears—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.</p> <p>Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.</p> <p>(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.</p> <p>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Benign tumours—Temporarily unfit.</p> <p>(ii) Malignant Tumours—Unfit.</p> <p>If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.</p> <p>(i) if not interfering with functions—Fit.</p> <p>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.</p> <p>Temporarily Unfit.</p> <p>(b) that his/her speech is without impediment;</p> |
|---|--|

- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointments to prevent early pensions or payment in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).
2. State your age and birth place
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis
- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated ?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?
6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

Mother's age if living	Mother's age at death	No. of sisters living their cause of death	No. of sisters dead, their ages state of health cause of death
------------------------	-----------------------	--	--

7. Have you been examined by a Medical Board before ?
8. If answer to the above is, Yes please state what Service/Services you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?.....
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known
- I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence

Candidate's Signature

Signature of the Chairman of the Board.

Note :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information will incur the risk of losing the appointment and if appointed of forfeiting a claim to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General development ; Good.....Fair.....Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....Obese.....
Height (without shoes).....Weight.....
Best Weight.....When ?Any recent change in weight ?Temperature.....

Girth of Chest,

- (1) (After full inspiration)
(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease.....

3. Eyes :

- (1) Any disease.....
(2) Night blindness.....
(3) Defect in colour vision.....
(4) Field of vision.....
(5) Visual acuity.....
(6) Fundus Examination.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sp. Cyl. Axis
------------------	-----------	--------------	-----------------------------------

Distant vision	R.E. L.L.
----------------	--------------

Near vision	R.E. L.E.
-------------	--------------

Hypermetropia (manifest)	R.E. L.L.
--------------------------	--------------

4. Ears : Inspection..... Hearing : Right Ear..... Left Ear.....
5. Glands Thyroid
6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?.....Rate Standing.....

After hopping 25 times.....
2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic.....Diastolic.....

9. Abdomen : Girth.....Tenderness.....Hernia.....

(a) Palpable, Liver.....Spleen.....Kidneys.....Tumours.....

(b) HaemorrhoidsFistula

10. Nervous System Indication of nervous or mental disability

11. Loco-Motor System : Any Abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appear

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest,

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 10.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories ?

- (i) Fit
(ii) Unfit account of.....
(iii) Temporarily unfit on account of.....

Place.....

Date.....

Chairman

Member

Member

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 29th November 1975

No. F.7(14)-NS/75.—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office (Time Deposits) Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office (Time Deposits) (Third Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Post Office (Time Deposits) Rules, 1970 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 12, for sub-

rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

- "(3) No nomination shall be made in respect of—
- (a) an account opened by or on behalf of a minor or a person of unsound mind;
- (b) an account opened under any of the items (2) to (6) of the Table below rule 5."

3. In rule 14 of the said rules, in sub-rule (1), after the second proviso, the following further proviso shall be inserted, namely :—

"Provided also that an account in respect of which a nomination has been made shall not be permitted to be transferred under this sub-rule, unless the nomination is cancelled by the holder of the account."

The 10th December 1975

No. F.7(15)-NS/75/(i).—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) (Fourth Amendment) Rules, 1975.
- (2) They shall be deemed to have come into force from the 1st October 1975.

2. In the Post Office (Cumulative Time Deposits) Rules, 1959, in the proviso below rule 11(c)(i) for the word 'sixth', the word 'tenth' shall be substituted.

No. F.7(15)-NS/75(ii).—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Dept. of Economic Affairs) No. F. 3(8)-NS/70, dated the 28th February 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office (Recurring Deposits) (Fourth Amendment) Rules, 1975.
- (2) They shall be deemed to have come into force from the 1st October 1975.

2. In the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, in the proviso below rule 12(3)(a) for the word 'sixth' the word 'tenth' shall be substituted.

A. V. SRINIVASAN, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 17th December 1975

No. V-24027(5)/74-WB.—The Ministry of Labour by their Resolution, No. V-24027(5)/74-WB dated the 17th June, 1975, requested the Wage Revision Committee for Port and Dock workers at the major ports having Port Trusts/Port Commissions/Dock Labour Boards, set up by the Ministry of Shipping & Transport Resolution, No. PLO/94/74, dated the 11th December, 1974, to include within its purview, all categories of workers who were covered by the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock workers, excepting those to whom wage increases have been given or whose pay scales/wage structures have been revised under any arrangements outside the frame-work of the Wage Board's recommendations. The Committee has accordingly enquired into the matter and made certain recommendations on the subject which are appended.

2. The Government have considered the Committee's recommendations and have decided to accept them and to request the concerned employers to implement these expeditiously.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

Report of the Wage Revision Committee for Port & Dock Workers regarding Interim Relief of categories of Employees covered by the Ministry of Labour Resolution No V-24027(5)/74-WB dated 17th June, 1975

The Government of India, in the Ministry of Shipping & Transport, by their Resolution No. PLO/94/74 dated the 11th December, 1974, set up this Wage Revision Committee to inquire into and recommend as to what revision is necessary in the existing wage structure of specified categories of Port & Dock workers at the major ports. In para 3(e) of the aforesaid Resolution, it was laid down that the Committee may also look into the cases of such other categories of workers covered by the Central Wage Board for Port & Dock Workers, 1969, but not included therein, if and when referred to by the Ministry of Labour on receipt of requests on behalf of these categories. The Ministry of Labour by their Resolution No. V-24027(5)/74-WB dated the 17th June 1975, provided as follows in para 2 of the said Resolution :—

"Having regard to the demands already received from and on behalf of some of the categories of workers covered by the Central Wage Board for Port and Dock Workers but not included within the purview of the Wage Revision Committee and the possibility of similar demands being received from and on behalf of other workers of the excluded categories, the Ministry of Labour have decided to request the Wage Revision Committee to include, within its purview, all categories of workers who were covered by the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock workers, excepting those to whom wage increases have been given or whose pay scales/wage structures have been revised under any arrangements outside the framework of the Wage Board's recommendations."

2. The Committee in its meeting on 8th and 9th August, 1975, considered the question of providing interim relief to the categories of employees now brought under the purview of the Committee by the said Resolution of the Ministry of Labour. Having considered all the relevant matters, which were kept in view while recommending interim relief to the categories of employees in Ports & Docks covered by the terms of reference of the Committee as originally proposed by the Ministry of Shipping & Transport, the Committee felt that the interim relief on the same lines as recommended earlier should be given to the categories of employees now covered by the Resolution of Ministry of Labour. The Committee, therefore, recommends that its proposals for interim relief contained in its report dated the 15th January, 1975, as finally accepted by the Government of India, in the Ministry of Shipping & Transport and embodied in its letter No. PLO/9/75 dated the 26th February 1975, addressed to the Chairmen of Port Trusts and Dock Labour Boards, be extended to all the categories of workers who were covered by the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock Workers, excepting those to whom wage increases have been given or whose pay scales/wage structures have been revised under any arrangements outside the framework of the Wage Board's recommendations.

Sd/-
(T. S. SANKARAN) (B. V. MEHTA) (B. N. LOKUR)
Member Member Chairman
Sd/-
(T. R. MALHOTRA)
Secretary

Bombay, the 9th August, 1975.